www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 109 || लखनऊ
रविवार
19 जुलाई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:24
सूर्यास्तः 07:00
अधिकतमः 29°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 07

विशेष समाचार | संघ की शताब्दी यात्रा... >>पेज 04 | बच्ची की गर्दन पर चाकू ... >>पेज 06 | 'दम घोंट देंगे'...

संभल पर 500 साल पहले विदेशियों ने कब्जा किया, हरिहर मंदिर तोड़ा

अवैध कब्जा किया तो कब्र से निकलवा लेंगे : योगी

दौरा

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर/अमरोहा/संभल। सीएम योगी शनिवार को बुलंदशहर, अमरोहा और संभल के दौरे पर रहे। संभल में योगी ने कहा- अगर कोई सरकारी या गरीब की जमीन पर कब्जा करने का प्रयास करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। जरूरत पड़ी, तो कब्र से निकालकर भी कब्जा हटवाया जाएगा। इससे पहले योगी बुलंदशहर पहुंचे। यहां उन्होंने कहा- सपा और कांग्रेस के पास न विजन था, न संवेदना। 2017 के पहले की सरकारों ने जनता का शोषण कर यूपी को बीमारू राज्य बना दिया था। उन्होंने एक बार फिर अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा- 2017 से पहले तो 'बबुआ' दोपहर 12 बजे तक सोकर उठते थे। 2 बजे सज-धजकर तैयार होते थे और 5 बजते-बजते जिम जाने का समय हो जाता था। वहां से लौटते और समय मिलता तो उनकी महफिल बैठ जाती थी। जनता, किसान, गरीब, महिलाओं और व्यापारियों के बारे में सोचने का उनके पास समय कहां था।

>> (शेष पेज 06 पर)

500 साल पहले आक्रांताओं ने धर्म-संस्कृति को चोट पहुंचाई

संभल के बहजोई में सीएम योगी ने 569 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने सियावर रामचंद्र की जय, पवनसुत हनुमान की जय, बांके बिहारी की जय से अपने भाषण की शुरुआत की। कहा- यह श्रीहरि विष्णु और भगवान हरिहर की पावन भूमि है।

लेकिन, करीब 500 साल पहले 1526 में विदेशी आक्रांताओं ने यहां की आस्था और संस्कृति पर हमला किया। आक्रांता केवल किसी स्थान का खजाना नहीं लूटते, वहां की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को भी नष्ट करने का प्रयास करते हैं।

संभल में तुर्क तुर्कीई की चलती थी, अब हरिहर की चलेगी

संभल में पहले दंगे होते थे, अब कर्फ्यू भी नहीं, दंगा भी नहीं, सब चंगा है। पहले तुर्क तुर्कीई की चलती थी, अब हरिहर की चलेगी।

मुझे चंदौसी में भगवान गणपति की 145 फीट ऊंची प्रतिमा और मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की 151 फीट ऊंची प्रतिमा के अनावरण का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अब संभल के 68 तीर्थों की पवित्रता के साथ कोई खिलवाड़ नहीं कर सकेगा। न ही 24 कोसी तथा 84 कोसी परिक्रमा में कोई बाधा डाल पाएगा।

'पहले सपा तय करती थी किसे मिलेगी नौकरी'

सीएम ने कहा कि आज डबल इंजन की सरकार में बिना जात-पात के भेदभाव के विकास देखने को मिलता है। भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है। नियुक्तियां आती हैं तो हर वर्ग के युवा को नौकरी मिलती है। लेकिन 2017 से पहले सपा और कांग्रेस के मंत्री तथा उनके पोषित गुंडे पैसे लेकर तय करते थे कि किसे नौकरी मिलनी है।

> योगी ने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दलों की सरकारों के दौरान दलितों, पिछड़ों और वंचितों की जमीनें हड़पी गईं। उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं था। भू-माफिया ने अपने कब्जे छिपाने के लिए राजस्व अभिलेखों और भूमि रिकॉर्ड तक को नष्ट करने का प्रयास किया। रिकॉर्ड नष्ट किए जा सकते हैं, लेकिन सत्य को नहीं दबाया जा सकता।

पहले की सरकारों के पास विजन नहीं था, 29 चीनी मिलें बंद हो गईं

सीएम ने कहा- 2017 से पहले समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के पास पास विजन नहीं था, समय नहीं था, संवेदना नहीं थी और काम करने की ललक नहीं थी। हम जनता के लिए काम कर रहे हैं, क्योंकि हमारी प्रतिबद्धता है। 2007 से 2017 के बीच प्रदेश में 29 चीनी मिलें बंद हो गईं। औद्योगिक विकास पूरी तरह ठप हो गया था। जिन्ना के उपासकों ने बस जनता का शोषण किया और उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया था। 2017 के बाद जब डबल इंजन की सरकार आई तो विकास का पहिया फिर से घूमा।

अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका

आरएएफ का कैंप पास था, धमाका सुनते ही रेस्क्यू के लिए पहुंचे जवान

8 की मौत
15 घायल

- रेस्क्यू में आसपास के लोगों ने भी मदद की। घायलों को खटिया पर लिटाकर अस्पताल ले गए।
- आरएएफ के जवानों ने मौके पर पहुंचकर झुलसे लोगों की मदद की।
- हादसे में झुलसे लोगों को पास के अस्पताल ले जाया गया।
- धमाके के बाद लगी आग से फैक्ट्री का शेड भी जलकर कबाड़ में बदल गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

अहमदाबाद। अहमदाबाद के वस्त्राल इलाके में शनिवार को पटाखा फैक्ट्री में धमाके के बाद आग लग गई। हादसे में 8 कर्मचारियों की मौत हो गई और करीब 15 घायल हो गए। हादसा रामोल से गतराड जाने वाले रास्ते पर महमूदपुरा टैलेंट के पास हुआ। यहां पास में ही रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) का कैंप है। धमाके की आवाज सुनते ही RAF जवान तुरंत घटनास्थल पहुंचे और लोगों का रेस्क्यू किया। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज 5 किलोमीटर तक सुनाई दी। धमाके की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां और एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गईं। हादसे के समय फैक्ट्री में करीब 25 लोग काम कर रहे थे। इलाके के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर जयपाल सिंह राठौड़ के अनुसार, रामोल-गटराड रोड पर खुले मैदान में मेहुल डोडिया नाम का व्यक्ति पटाखा फैक्ट्री चला रहा था।

अमेरिका और ईरान युद्ध में अब पानी भी निशाने पर

अमेरिकी हमले में ईरान का वाटर प्लांट तबाह, जवाब में कुवैत के प्लांट पर हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच अब समुद्र के खारे पानी को साफ करने वाले प्लांट्स को निशाना बनाया जा रहा है। ईरान ने शनिवार को दावा किया कि अमेरिका ने होर्मोजगान प्रांत में हवाई हमला कर बोंजी डिसैलिनेशन (वाटर) प्लांट को तबाह कर दिया। इस हमले के बाद 20 गांवों के करीब 10 हजार लोगों की पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। वहीं कुवैत ने कहा कि ईरान ने लगातार दूसरे दिन उसके पानी के प्लांट को निशान बनाया है। कुवैत में पीने का लगभग 90 प्रतिशत खारे पानी को मीठी बनाने की प्रक्रिया (डिसैलिनेशन) से मिलता है। कुवैत की तरफ से कहा गया है कि इसमें किसी भी तरह की रुकावट रेगिस्तान वाले छोटे से देश में जीवन के लिए खतरा पैदा कर सकती है।

ईरान ने कुवैत के उदैद एयरबेस पर हमला कियाः ईरान ने दावा किया है कि उसने कतर में स्थित अमेरिकी अल उदैद एयरबेस को निशाना बनाकर हमला किया है। इसमें अमेरिकी HIMARS रॉकेट सिस्टम, मिसाइलें और अन्य सैन्य उपकरण नष्ट कर दिए हैं। होर्मोज स्ट्रेट के आसपास फिर से बढ़ते सैन्य संघर्ष के बीच पाकिस्तान और कुवैत ने अमेरिका और ईरान से पिछले महीने हुए इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन का सम्मान करने और तनाव बढ़ाने वाले कदमों से बचने की अपील की है।

फास्ट न्यूज

कैलाश मानसरोवर यात्रा को चौथा दल धारचूला में फंसा

पिथौरागढ़। उत्तराखंड में लगातार बारिश का असर अब प्रमुख तीर्थ यात्राओं पर दिखने लगा है। पिथौरागढ़ में कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर भूस्खलन होने से चौथा दल धारचूला में ही रुक गया है, जबकि जिले की 18 सड़कें बंद हैं। वहीं रुद्रप्रयाग में केदारनाथ पैदल मार्ग पर भी कई जगह भूस्खलन हुआ, हालांकि प्रशासन ने रास्ता साफ कर पैदल यात्रा फिर शुरू करा दी है।

9 साल जेल में बंद हत्या के आरोपी को जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 9 साल से जेल में बंद हत्या के आरोपी को जमानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि ट्रायल में असाधारण देरी ने हमारी न्यायिक अंतरात्मा को झकझोर दिया है। ऐसे मामलों की सुनवाई में तेजी लाना अदालतों की संवैधानिक जिम्मेदारी है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने कहा, याचिकाकर्ता घटना के समय किशोर था। अब तक 9 साल बीते गए। इस स्पीड से ट्रायल पूरा होने में अभी और समय लगेगा। कोर्ट ने कहा- बिना ट्रायल में प्रगति के किसी व्यक्ति को अनिश्चितकाल तक जेल में रखना, त्वरित सुनवाई (स्पीडी ट्रायल) और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है।

चंडीगढ़- रिटायर्ड आईपीएस की कोठी में मिली युवती की लाश

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-10 स्थित एक कोठी में 18 वर्षीय एक युवती का शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिला। यह कोठी गुजरात पुलिस विभाग से रिटायर IPS अधिकारी गुरिंदर सिंह की है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सेक्टर-16 स्थित सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया।

गाली देना हर बार अश्लीलता नहीं होती : सुप्रीम कोर्ट

अभद्र भाषा और अश्लीलता अलग, मां की गाली भी हर मामले में क्राइम नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता के दायरे में नहीं आता है। शुक्रवार को जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि कोई शब्द तभी अश्लील माना जाएगा, जब वह कामुकता को बढ़ावा देने वाला हो या लोगों को भ्रष्ट करने की प्रवृत्ति रखता हो। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के एक मामले में सुनवाई के दौरान की। आरोपी मणि को जमीन विवाद के दौरान मां की गाली देने के लिए अश्लीलता के आरोप में दोषी ठहराया गया था। अगस्त 2017 में जमीन विवाद को लेकर आरोपी ने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज की थी। पीड़ित का आरोप था कि आरोपी ने जातिसूचक शब्दों भी कहे। बाद में घर से हथियार लाकर हमला कर दिया, जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गई थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट में वकील ने सीजेआई का नाम लेकर अपशब्द कहे थे

10 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक वकील ने हंगामा किया। सीजेआई सूर्यकांत को अपशब्द कहे और फाइल भी फेंकी। इस दौरान सीजेआई कोर्ट रूम में मौजूद नहीं थे।

यह घटना जस्टिस केवी विश्वनाथन, जस्टिस आलोक अराधे की बेंच के सामने हुई। हंगामे के बाद कोर्ट के आदेश पर सिक्योरिटी ने वकील को तुरंत बाहर निकाल दिया।

लोकसभा में टीएमसी और उद्धव गुट के बागी सांसदों को मिली अलग पहचान

स्पीकर ने दी नई सीटिंग की मंजूरी, मानसून सत्र से पहले बड़ा फैसला

मंजूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। ममता बनर्जी का साथ छोड़ने वाले TMC के 20 बागी सांसदों को लोकसभा में अलग बैठने की मंजूरी मिल गई है। 15 जून को तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (NCPI) से विलय कर लिया था। उधर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उद्धव गुट के 6 बागी सांसदों को भी मान्यता दे दी है। 22 जून को उद्धव का साथ छोड़कर 6 सांसद शिंदे गुट में शामिल हो गए थे।

दोनों गुट एनडीए के साथ, मोदी सरकार का संख्या बल बढ़ा

TMC और उद्धव गुट के बागी सांसदों को मंजूरी मिलने से मोदी सरकार को फायदा मिलेगा। मोदी सरकार संसद में दो तिहाई बहुमत के और करीब आ जाएगी, सरकार महिला आरक्षण कानून लागू करने और परिसीमन विधेयक के जरिए संसद और राज्य विधानसभाओं की संख्या बढ़ाने वाले संविधान संशोधन विधेयक पास कराने के लिए जरूरी संख्या जुटानी की कोशिश कर रही है। काम हो गई थीं।

आंदोलन : पुलिस ने सफदरजंग में कराया भर्ती, इलाज लेने से किया इनकार

21वें दिन अनशन से अस्पताल पहुंचे वांगचुक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह पुलिस सफदरजंग अस्पताल ले गई। अस्पताल प्रशासन की ओर से जारी मेडिकल बुलेटिन में बताया गया कि वांगचुक डिहाइड्रेशन (शरीर में पानी की कमी) से पीड़ित हैं। साथ ही उनके शरीर में पोटैशियम का स्तर भी सामान्य से कम पाया गया है। हालांकि अस्पताल का कहना है कि उन्होंने दवा और उपचार लेने से इनकार कर दिया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, जांच में वांगचुक के शरीर में पोटैशियम का स्तर कम मिला है। इसके अलावा उनकी यूरिन कीटोन रिपोर्ट 3+ दर्ज की गई, जो लंबे समय तक भोजन न लेने की स्थिति में देखी जा सकती है। चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। वांगचुक के निजी चिकित्सक डॉ. नितिन दीघे ने दावा किया कि अस्पताल में गृह मंत्रालय का एक अधिकारी मौजूद था।

>> (शेष पेज 06 पर)

पुलिस वांगचुक को उठाकर एंबुलेंस तक ले गई।

अनशन के दौरान वांगचुक के स्वास्थ्य में लगातार गिरावट दर्ज की गई। उनके समर्थकों के अनुसार, इस दौरान उनका वजन करीब 9.5 किलोग्राम तक कम हो चुका है, जिसके बाद चिकित्सकों ने उनकी सेहत को लेकर चिंता जताई थी।

सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल ले जाने के बाद भूख हड़ताल पर बैठे दीपके पर महिला ने स्याही फेंकी।

अनशन स्थल पर स्याही फेंकने की घटना

अनशन शुरू करने के कुछ समय बाद जब अभिजीत दीपके मंच से नीचे आकर बैठे, तभी एक महिला ने उन पर स्याही फेंक दी।

बंगाल में अभिषेक का पार्टी ऑफिस तोड़ा गया

टीएमसी सांसद बोले- कार्यालय हमारे लिए मंदिर जैसा

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। TMC सांसद अभिषेक बनर्जी के साउथ 24 परगना के अमतला में स्थित पार्टी ऑफिस को शनिवार को तोड़ दिया गया। यह कार्रवाई जिला प्रशासन की तरफ से की गई है। अधिकारियों के मुताबिक ऑफिस बिना किसी मंजूरी बिल्डिंग प्लान के बनाया गया था। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पार्टी कार्यालय हमारे लिए मंदिर जैसा है। जमीन खरीदी गई थी और बिल्डिंग स्वीकृत नक्शे के अनुसार बनाई गई थी। हमारे पास सभी दस्तावेज हैं, जिन्हें हम हाईकोर्ट में पेश करेंगे।

उन्होंने आगे कहा- हर कार्रवाई की बराबर और विपरीत प्रतिक्रिया होती है। अगर मैं जिंदा रहा, तो 2031 के विधानसभा चुनाव के बाद इसी कानून के जरिए ब्याज सहित इसका जवाब दूंगा। अमतला ऑफिस डायमंड हार्बर लोकसभा सीट का हिस्सा है। अभिषेक बनर्जी इसी सीट से सांसद हैं। जिले में टीएमसी की संगठनात्मक गतिविधियों का मुख्य केंद्र माना जाता रहा है। प्रशासन के अनुसार, इस ऑफिस के खिलाफ अवैध निर्माण की शिकायतें मिली थीं।

>> (शेष पेज 06 पर)

मौलाना मदनी बोले- यह कत्ल की बात नहीं करता, इसीलिए दुनिया में इस्लाम तेजी से फैल रहा

सबको कुरान पढ़ाइए : मौलाना मदनी

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि सभी लोगों को बुलाइए और उन्हें कुरान पढ़ाइए। उन्हें बताइए कि कुरान क्या कहता है? कुरान कहीं भी कत्ल या नफरत की बात नहीं करता। इस्लाम मोहब्बत का मजहब है, इसीलिए आज यह पूरी दुनिया में सबसे तेजी से फैल रहा है। दुनियाभर के पढ़े-लिखे लोगों ने भी इस्लाम के तेजी से फैलने की बात स्वीकार की है।

वह लखनऊ में शनिवार को अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हिंदू-मुस्लिम इत्तेहाद कॉन्फ्रेंस (हिंदू-मुस्लिम एकता सम्मेलन) को

संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन उनकी संस्था जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने किया। सम्मेलन में देशभर के विभिन्न संगठनों, समुदायों के प्रतिनिधि और शिक्षाविद शामिल हुए। सबसे पहले सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने संबोधित किया। उन्होंने कहा, "मैंने बचपन में अजान सीखी थी, लेकिन कोर्ट की व्यस्तताओं के बीच उसे भूल गई। अब मैं उसे फिर से सीखना चाहती हूं।"

मदनी बोले- 32 लाख बच्चों का मकसद बर्बाद हो गया

दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे हैं छात्रों के बारे में मौलाना मदनी ने कहा कि जो लोग विरोध कर रहे हैं, उससे छात्रों का बहुत नुकसान हो रहा है। जो पेपर लीक हो रहा है, छात्रों के लिए बहुत नुकसानदेह है। सरकार को इस तरह की चीजों पर ध्यान देना चाहिए। 32 लाख बच्चों का मकसद बर्बाद हो गया।

मदनी ने कहा- जौहर यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई गलत है

रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर कार्रवाई को लेकर मदनी ने कहा- यह सियासी मामला है। आजम खान एक सियासी व्यक्ति हैं। लेकिन, जिस शख्स के नाम पर यूनिवर्सिटी है (मौलाना मोहम्मद अली जौहर) उन्होंने देश और समाज के हित में बहुत काम किया है। इसीलिए हम चाहते हैं कि मौलाना मोहम्मद अली जौहर के नाम से यूनिवर्सिटी हमेशा रहे। मौलाना ने कहा कि जो किया जा रहा है, वह गलत है, गलत है, गलत है। अगर यूनिवर्सिटी के अंदर कुछ गलत है तो उस पर जुर्माना लगाया जाए। बुलडोजर चलना गलत है। जुर्माना लगाना भी कानून है, सिर्फ गिरा देना ही समस्या का समाधान नहीं। आज उसमें हजारों बच्चे पढ़ते हैं। 38 इमारतें हजारों करोड़ रुपए से बनी हैं, उन्हें गिरा देना सांप्रदायिकता है।

मौलाना मदनी ने सम्मेलन के बारे में कहा कि हम प्यार-मोहब्बत का पैगाम देने आए हैं। इस धरती पर जो नफरत की आग लगी है, उस पर प्यार-मोहब्बत का पानी नहीं छिड़का जाएगा तो आग और भड़केगी। नफरत की सियासत करना इस देश की जड़ को कमजोर करना है और मुल्क को बर्बाद करना है।

राजधानी में समाधान दिवस पर समूह की महिलाओं का प्रदर्शन

मुर्दाबाद के नारे, शौचालय की मांग लेकर पहुंची थीं

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ की सरोजनी नगर तहसील में शनिवार को डीएम विशाख जी. अय्यर के सामने जिला प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। स्वयं सहायता समूह की 20 से ज्यादा महिलाओं ने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। वे शौचालय का पैसा जारी कराने की मांग लेकर संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंची थीं।

स्वयं सहायता समूह सीएलएफ सरोजनीनगर की महिलाएं भाजपा जिला मंत्री संजीव कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पहुंची थीं। संजीव ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के पात्र लाभार्थियों को अब तक योजना का लाभ नहीं मिला है। महिला शक्ति समाधान समिति सीएलएफ स्वयं सहायता समूह की उपाध्यक्ष अंजनी गौतम ने जिलाधिकारी को एक शिकायती पत्र सौंपा। उन्होंने बताया कि वह पिछले 10 वर्षों से विभिन्न सरकारी

योजनाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। सरोजनीनगर के उपजिलाधिकारी और विकास खंड अधिकारी की उदासीनता के कारण गरीब परिवारों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। शिकायत के अनुसार, लगभग 10 महीने पहले विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के कार्यालय के माध्यम से नीवां, कुरौनी, माती, खटोला, परवर पश्चिम, मेड़ई खेड़ा, गढ़ी मवैया, सोहावा और परवर पूरब सहित विभिन्न ग्राम सभाओं की 179 गरीब और शौचालय विहीन महिलाओं के आवेदन जमा कराए गए थे।

फास्ट न्यूज

साइबर ठग छठी-आठवीं पास निकले

लखनऊ। लखनऊ के शहीद पथ स्थित ओमेक्स आर-2 सोसायटी से पकड़े गए अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। गिरोह के अधिकांश सदस्य ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं हैं। कोई छठी पास है तो कोई आठवीं, दसवीं। इंटर से ज्यादा पढ़ा कोई नहीं है। सभी को अमेरिकी लहजे में अंग्रेजी बोलने की ट्रेनिंग दी गई थी। वो खुद को माइक्रोसॉफ्ट और फेडरल ट्रेड कमीशन का अधिकारी बताकर अमेरिकी नागरिकों को झांसा देते थे।

अभिलेख सत्यापन कार्यक्रम घोषित

लखनऊ। संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा राज्य की तकनीकी संस्थाओं में संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में कामगारों (वर्किंग प्रोफेशनल) के प्रवेश सत्र 2026-27 के लिए विकल्प चयन और अभिलेख सत्यापन का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है।

परिषद के सचिव संजीव कुमार सिंह ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों ने परिषद के आधिकारिक पोर्टल jeecup.admissions.nic.in पर ऑनलाइन आवेदन किया था, ऐसे अभ्यर्थी दिनांक 23.07.2026 से 26.07.2026 तक पोर्टल पर विकल्प चयन की कार्यवाही अनिवार्य रूप से पूर्ण करेंगे, अन्यथा उनका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा।

लखनऊ में आवारा कुत्तों के हमले से चीतल की मौत

मलिहाबाद। लखनऊ के माल थाना क्षेत्र के बाजार गांव में शुक्रवार सुबह आवारा कुत्तों के झुंड के हमले में एक चीतल की मौत हो गई। इस घटना से गांव में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए।ग्रामीणों के अनुसार, चीतल किसी तरह गांव के पास आ गया था, तभी आवारा कुत्तों के एक झुंड ने उस पर हमला कर दिया।

रेलवे अफसर के घर 18 लाख की चोरी

बारिश का फायदा उठाकर घर में घुसे चोर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरानगर में रेलवे के सेक्शन इंजीनियर के घर नकाबपोश चोरों ने लाखों की चोरी कर ली। 15-16 जुलाई की रात करीब दो बजे हुई वारदात में बदमाश करीब 18 लाख रुपए के जेवर और नकदी समेट ले गए। घटना के समय तेज बारिश हो रही थी, जिसका फायदा उठाकर चोर घर में घुसे। पूरी वारदात इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। पीड़ित का आरोप है कि घटना के 2 दिन बाद भी पुलिस FIR दर्ज करने के बजाय उन्हें चौकी और थाने के चक्कर लगवा रही है।

पाल्म पैराडाइज वेलफेयर सोसाइटी चांदन निवासी अभिषेक प्रभाकर पूर्वोत्तर रेलवे गोमतीनगर में सीनियर सेक्शन इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। लखनऊ में मई 2019 से

पत्नी सुनन्दा झा और बेटी अभिश्री झा के साथ रह रहे हैं। उन्होंने पुलिस की दी तहरीर में बताया कि 11 जुलाई को पत्नी और बेटी को लेने मधुबनि बिहार गए थे।

16 जुलाई को अपनी कार से लौट रहे थे। इस दौरान 11:09 बजे घर में काम करने वाली बाई बबली का कॉल आया और उसने बताया कि घर का गेट खुला हुआ है। उसकी सूचना पर पड़ोस में रहने वाले मोहित को घर जाकर देखने के लिए कहा। मोहित एंव काम वाली बाई बब्ली घर के अन्दर जाकर देखा गया तो घर में दरवाजे खुले हुए थे और कमरे में सारा सामान बिखरा पड़ा था।

जंतर-मंतर पर पुलिसिया गुंडागर्दी और सोनम वांगचुक की ज़बरन गिरफ़्तारी शर्मनाक: संजय सिंह

'देश का युवा अब चुप नहीं बैठेगा'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोनम वांगचुक के शांतिपूर्ण अनशन पर हुई पुलिसिया कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सत्ता के अहंकार में इतने अंधे हो गए हैं कि उन्हें युवाओं के बर्बाद होते भविष्य और एक अनशनकारी की जान की कोई परवाह नहीं है। संजय सिंह ने केंद्र सरकार को चेतावनी दी है कि जिस युवा शक्ति का आज दमन किया जा रहा है, वही आने वाले समय में भाजपा की सत्ता के पतन का मुख्य कारण बनेगी।

सांसद संजय सिंह ने कहा कि 59 वर्षीय सोनम वांगचुक पिछले 21 दिनों से आमरण अनशन पर थे। वह अपनी ज़िंदगी दांव पर लगाकर उन करोड़ों युवाओं की आवाज़ उठा रहे थे

21 दिनों से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को सुनने के बजाय ज़बरन गिरफ़्तार करना लोकतंत्र की हत्या: संजय सिंह

दमनकारी सत्ता को उखाड़ फेंकने का वक़्त आ गया है: संजय सिंह

जिनका भविष्य 93 पेपर लीक की घटनाओं ने पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। विडंबना यह है कि 21 दिन बीत जाने के बाद भी देश के प्रधानमंत्री ने उनसे बात करना तो दूर, अनशन खत्म करने की अपील तक करना ज़रूरी नहीं समझा। सरकार का कोई प्रतिनिधि यह पूछने तक नहीं आया कि आप अपनी जान देने पर क्यों आमादा हैं। संजय सिंह ने कहा कि आज अचानक भारी पुलिस बल ने जंतर-मंतर को चारों तरफ से घेर लिया और वहां मौजूद नौजवानों पर बर्बरता से लाठीचार्ज किया गया। सोनम वांगचुक को उनके

सत्ता का अहंकार नहीं रहेगा, युवा शक्ति ही उखाड़ फेंकेगी भाजपा का तख्त

संजय सिंह ने सीधे प्रधानमंत्री पर प्रहार करते हुए कहा कि मोदी जी, इतना अहंकार अच्छा नहीं है। आपने कभी किसानों के आंदोलन को कुचला, कभी माताओं-बहनों पर अत्याचार किया और अब नौजवानों को लाठियों से पीट रहे हैं। याद रखिएगा, जिस युवा पर आज आप लठ्ठ बजा रहे हैं, वही आपके तख्त को उखाड़ कर फेंकेगा। उन्होंने देश के युवाओं से अपील की है कि वे एकजुट होकर सोनम वांगचुक का साथ दें और इस लड़ाई को कमज़ोर न पड़ने दें।

अनशन स्थल से ज़बरन उठाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार भी छीन लिया गया है? यह पूरी तरह से गुंडागर्दी है और सत्ता का दुरुपयोग है।

- मोदी जी, सत्ता का यह अहंकार नहीं चलेगा, जिस युवा पर लाठियां बरसा रहे हो वही तुम्हारा तख्त पलटेगा
- सोनम वांगचुक की आवाज़ दबाने के लिए पुलिसिया बर्बरता का सहारा ले रही मोदी सरकार
- संसद मार्च के डर से घबराए प्रधानमंत्री ने बदला दिल्ली का पुलिस कमिश्नर, युवाओं पर चलवाईं लाठियां

- संजय सिंह

रक्षाबंधन पर उत्तर प्रदेश की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के हस्तनिर्मित राखियों की बढ़ी मांग

समूह की दीदियों के द्वारा बनाई गई राखियों से सजेंगे बाजार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में आगामी रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (UPSRLM) से जुड़ी स्वयं सहायता समूह (SHG) की महिलाएं इस वर्ष भी आकर्षक एवं हस्तनिर्मित राखियों का निर्माण कर रही हैं। प्रयागराज, वाराणसी, बागपत, बुलंदशहर, लखीमपुर खीरी, गोरखपुर, उन्नाव , शामली, जौनपुरएवं मिर्जापुर सहित प्रदेश के लगभग सभी जनपदों में ग्रामीण महिलाएं पारंपरिक कौशल एवं नवीन डिजाइनों के साथ सुंदर राखियां तैयार कर रही हैं, जिनकी बाजार में अच्छी मांग है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि समूहों

की दीदियों द्वारा राखियों के निर्माण से जहां दीदियों की आय में वृद्धि होगी, वहीं ग्रामीण संस्कृति, भारतीय परंपरा एवं महिलाओं की सृजनात्मकता की झलक देखने को मिलेगी, यही नहीं लोकल फार लोकल के सरकार के संकल्प को साकार करने में गति मिलेगी ।इससे न केवल ग्रामीण महिलाओं की आजीविका सशक्त होगी, बल्कि महिला उद्यमिता एवं आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के संकल्प को भी नई मजबूती मिलेगी। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं स्थानीय बाजारों, मेलों एवं विभिन्न विक्रय केंद्रों के माध्यम से अपनी हस्तनिर्मित राखियों का विक्रय कर रही हैं। स्वयं सहायता समूह की महिलाएं सूती धागे,

अब ऑनलाइन भी होगी उपलब्ध

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग, गुणवत्ता संवर्धन एवं डिजिटल मार्केटिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण महिला उद्यमियों को व्यापक बाजार उपलब्ध हो सके और उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो।

रेशम, मोती, जरी, कुंदन, लकड़ी, कपड़े , अनाज एवं अन्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों से पारंपरिक, आधुनिक, बच्चों एवं थीम आधारित विभिन्न प्रकार की आकर्षक राखियां तैयार कर रही हैं। इन राखियों में ग्रामीण संस्कृति, भारतीय परंपरा एवं महिलाओं की सृजनात्मकता की झलक देखने को मिलती है।

यूपी के आम्रपाली आम को मिली वैश्विक पहचान

1200 किलोग्राम आम्रपाली आम की खेप लंदन के लिए रवाना

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। भारत-यूके ceta के प्रभावी होने से उत्तर प्रदेश के बागबानों के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज हुई है। योगी सरकार के निरंतर प्रयासों से प्रदेश के प्रसिद्ध आम्रपाली आम को अब लंदन के बाजार में नई पहचान मिलने जा रही है। शनिवार को 1200 किलोग्राम आम्रपाली आम की निर्यात खेप को अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग श्री बी.एल. मीणा ने उद्यान निदेशालय, लखनऊ से हरी झंडी दिखाकर लंदन के लिए रवाना किया। इस अवसर पर श्री बी.एल. मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व एवं उद्यान मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार किसानों

उत्तर प्रदेश की पहचान वैश्विक फल बाजार में और मजबूत हो रही है

दो दिवसों में 2400 किलोग्राम चौसा और आम्रपाली आम यूपी से हुआ यूके रवाना

एवं बागबानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि एवं उद्यान उत्पादों के निर्यात को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। प्रदेश के गुणवत्तापूर्ण फलों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए प्रभावी रणनीति पर कार्य किया जा रहा है, जिससे बागबानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि एपीडा के प्रयासों तथा उद्यान विभाग के सहयोग से उत्तर प्रदेश के आमों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग लगातार बढ़ रही है। निर्यात के बढ़ते अवसरों से प्रदेश के बागबानों को बेहतर मूल्य मिलने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की पहचान वैश्विक फल बाजार में और मजबूत हो रही है। दो दिवसों में 2400 किलोग्राम चौसा और आम्रपाली आम यूपी से यूके भेजा गया है।

लक्ष्य : योगी सरकार में बुनियादी शिक्षा को मजबूत करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है : संदीप सिंह

योगी सरकार में निपुण भारत मिशन के विस्तारीकरण को मिला रोडमैप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में बुनियादी शिक्षा को और अधिक गुणवत्तापूर्ण, परिणामोन्मुख तथा दक्षता आधारित बनाने की दिशा में योगी सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप निपुण भारत मिशन के विस्तारीकरण एवं लक्ष्य निर्धारण की व्यापक कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। इस कार्ययोजना के अंतर्गत मिशन को बालवाटिका से कक्षा-5 तक प्रभावी रूप से लागू करते हुए प्रत्येक कक्षा के लिए स्पष्ट अधिगम लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे। इसके साथ ही बच्चों के सीखने के स्तर का नियमित आकलन, शिक्षक क्षमता संवर्धन,

बालवाटिका से कक्षा-5 तक मिशन का विस्तार, एनसीएफ, एनसीईआरटी और परख के अनुरूप विकसित होंगे कक्षावार लक्ष्य- मंत्री संदीप सिंह

योगी सरकार ने सरकारी स्कूलों को आधुनिक संसाधनों, प्रशिक्षित शिक्षकों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पद्धति से लैस किया है। यह रोडमैप प्रदेश में सीखने के परिणामों में ऐतिहासिक सुधार लाएगा और उत्तर प्रदेश बुनियादी शिक्षा में पूरे देश के लिए मॉडल बनेगा।

यह कार्ययोजना बुनियादी शिक्षा को नई दिशा देने वाली पहल मानी जा रही

इस संबंध में अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को मिशन के विस्तारीकरण और निर्धारित लक्ष्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश जारी किए हैं। निपुण भारत मिशन के विस्तारीकरण की यह कार्ययोजना बुनियादी शिक्षा को नई दिशा देने वाली पहल मानी जा रही है। बालवाटिका से कक्षा-5 तक सीखने की एक सतत श्रृंखला विकसित कर प्रत्येक बच्चे को उसकी आयु और कक्षा के अनुरूप आवश्यक ज्ञान, कौशल एवं दक्षताओं से सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

लर्निंग गैप की पहचान और सुधारात्मक शिक्षण व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार में बुनियादी शिक्षा को मजबूत करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप निपुण भारत मिशन को अब बालवाटिका से कक्षा-5 तक विस्तारित किया जा रहा है, ताकि हर बच्चे की मजबूत शैक्षणिक नींव तैयार हो सके। हमारा लक्ष्य है कि कोई भी बच्चा निर्धारित अधिगम लक्ष्यों से पीछे न रहे। इसके लिए हमने एनसीएफ और परख के अनुरूप कक्षावार लक्ष्य तय करने, शिक्षकों के क्षमता संवर्धन और सतत मूल्यांकन की ठोस कार्ययोजना बनाई है। कार्ययोजना के अनुसार कक्षा-3 से 5 तक हिंदी, अंग्रेजी, गणित एवं पर्यावरण अध्ययन के लिए विषयवार और कक्षावार अधिगम लक्ष्य एनसीएफ, एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों तथा परख के मानकों के अनुरूप विकसित किए जाएंगे।

लखनऊ में 5 एसडीएम के ट्रांसफर

लखनऊ। लखनऊ डीएम विशाख जी. अय्यर ने 5 एसडीएम का ट्रांसफर किया है। दूसरे विभागों/जिलों से आए अधिकारियों को भी चार्ज दिया है। एसडीएम सदर मनोज कुमार सिंह को मलिहाबाद का SDM बना दिया गया है। वहीं, सदर की जिम्मेदारी IAS साहिल सिंह को दी गई है। साहिल बीकेटी के एसडीएम थे। लखनऊ नगर निगम से पदोन्नत होकर जिला प्रशासन पहुंचे आकाश सिंह को बीकेटी का एसडीएम बनाया गया है।

प्रयागराज सदर से आए अभिषेक कुमार सिंह को सरोजनी नगर की जिम्मेदारी दी है। सरोजनी नगर की जिम्मेदारी संभाल रहे अंकित शुक्ला को ACM-5 का चार्ज मिला है। मंझनपुर (कौशाम्बी) से आए SDM आकाश सिंह को मोहन-लालगंज दिया गया है। PCS रामदेव और प्रदीप कुमार नई जॉइनिंग वाले हैं। इन्हें क्रमशः ACM-1 और ACM-3 का चार्ज दिया गया है।

हस्तशिल्पी प्रादेशिक पुरस्कार योजना हेतु आवेदन 31 जुलाई तक आमंत्रित

पुरस्कृत

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र लखनऊ अभिजीत गौतम ने बताया है कि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विशिष्ट हस्तशिल्पी प्रादेशिक पुरस्कार योजना वित्तीय वर्ष 2026-27 के सम्बन्ध में आयुक्त एवं निदेशक उद्योग, उ0प्र0, अनुभाग-13, कानपुर के पत्रांक 91/13-हस्त एवं नि0प्रो0 / हस्त0 प्रादेशिक पुरस्कार / 2026-27 दिनांक 29 अप्रैल 2026 के माध्यम से 20 राज्य हस्तशिल्पी पुरस्कार एवं दक्षता पुरस्कार दिये जाने का प्रावधान है। उन्होंने बताया है कि जनपद के हस्तशिल्पियों एवं कारीगरों से अनुरोध है कि उक्त योजनान्तर्गत पुरस्कार प्राप्त करने हेतु अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों सहित

- उत्कृष्ट कलाकृतियों के साथ हस्तशिल्पी एवं कारीगर करें आवेदन, उत्पादन प्रक्रिया की फोटो/वीडियो भी करना होगा संलग्न

आवेदन पत्र दिनांक 31 जुलाई, 2026 तक जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र लखनऊ में उपलब्ध कराने का कष्ट करें। कलाकृति की उत्कृष्टता प्रमाणित करने हेतु कलाकृति की उत्पादन के विभिन्न चरणों / प्रक्रिया की फोटोग्राफी / वीडियो ग्राफी भी आवेदन के साथ जमा करनी होगी ताकि कलाकृतियाँ समयान्तर्गत मण्डल स्तर पर चयन समिति के समक्ष प्रेषित करायी जा सके। योजना का आवेदन पत्र एवं अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र लखनऊ में सम्पर्क कर सकते है।

ललिता गौतम हत्याकांड के दोषी बचेंगे नहीं : योगी

परिवार से मुलाकात की, 5 लाख की मदद, आवास देंगे, गाजियाबाद में अपनी बहन के घर भी गए

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। सीएम योगी ने शनिवार को गाजियाबाद में ललिता गौतम के परिवार से मुलाकात की। योगी ने PWD गेस्ट हाउस में करीब आधे घंटे तक ललिता के परिवार से बात की। कहा- दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। कड़ी से कड़ी सजा दिलाएंगे। उन्होंने परिवार को 5 लाख की आर्थिक मदद, पिता और चाचा को एक-एक मुख्यमंत्री आवास देने का ऐलान किया। पुलिस अफसरों से अब तक की कार्रवाई की जानकारी ली। इससे पहले, पूर्व आईपीएस और मंत्री असीम अरुण सुबह साढ़े 9 बजे ललिता गौतम के परिवार को मेरठ से लेकर गाजियाबाद पहुंचे। मेरठ में बीए की दलित छात्रा ललिता गौतम की हत्या हुई थी। शव 17 मई को गन्ने के खेत में मिला था। पुलिस कार्रवाई न होने से नाराज परिजनों ने 8 जुलाई को कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया था।

योगी ने पीड़ित परिवार से क्या कहा ...

योगी ने ललिता गौतम हत्याकांड पर दुख जताया। परिवार को ढांढस बंधाते हुए भरोसा दिलाया कि दोषी पर कड़ा एक्शन होगा। कठोर सजा दिलाई जाएगी। न्याय दिलाने में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। योगी ने लापरवाही बरतने वाले अफसरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया। पीड़ित परिवार को आयुष्मान भारत योजना, राशन कार्ड सहित सभी पात्र सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया।

सीएम योगी से मिलने के बाद ललिता गौतम के परिवार के सदस्य वेद प्रकाश ने कहा- आज हमारा पूरा परिवार मुख्यमंत्री से मिला। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस मामले में शामिल किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। कोई छूट नहीं पाएगा।

अखिलेश और चंद्रशेखर ने भी की थी पीड़ित परिवार से मुलाकात

अखिलेश यादव ने 6 दिन पहले शनिवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी। अखिलेश ने दिल्ली में सरकारी आवास पर 1 घंटे 15 मिनट तक ललिता के परिवार से बंद कमरे में बात की थी। उन्हें 2 लाख रुपए का चेक सौंपा था। अखिलेश ने परिवार को फोन कर दिल्ली मिलने के लिए बुलाया। कैराना सांसद इकरा हसन माता-पिता और भाई को लेकर दिल्ली पहुंचीं। अखिलेश ने ललिता के पिता से कहा था- बेटी को न्याय मिलेगा। सरकार बनने पर परिवार के एक सदस्य को नौकरी देंगे।

66 पुलिस ने लाटीचार्ज किया था। इसके बाद मामला ने तूल पकड़ लिया था। सपा प्रमुख अखिलेश यादव, आजाद समाज पार्टी के प्रमुख सांसद चंद्रशेखर ने परिवार से मुलाकात की थी। इससे पहले, शुक्रवार रात 9 बजे योगी गाजियाबाद के मुरादनगर में अपनी रिश्ते की बहन पुष्पा चौधरी के घर पहुंचे। राजनगर एक्सटेंशन स्थित एमजीआई घरौंदा सोसाइटी में योगी के पहुंचते ही लोग फ्लैट से बाहर निकल आए। 'जय श्रीराम' के जयकारे लगाने लगे। योगी 45 मिनट तक बहन के घर पर रुके। हाल-चाल पूछा।

- योगी ने मेरठ की दलित छात्रा ललिता गौतम हत्याकांड के पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया। न्याय का भरोसा दिलाया।
- सीएम योगी ने गाजियाबाद में दूधेश्वर नाथ मंदिर में पूजा अर्चना की। मंदिर के महंत से मुलाकात की।

गाजियाबाद में रात्रि-विश्राम के लिए रुके थे सीएम

योगी पश्चिम यूपी के 2 दिवसीय दौरे पर हैं। शुक्रवार को शामली और बिजनौर के दौरे के बाद दोपहर साढ़े 3 बजे गाजियाबाद पहुंचे थे। मुरादनगर और मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र में 868 करोड़ के 90 प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण-शिलान्यास किया था। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी की प्रतिमा का अनावरण किया था। इसके बाद कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत करने का निर्देश दिया। इसके बाद योगी ने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में रात्रि-विश्राम किया। उन्होंने सादा भोजन किया। उन्हें खाने में लौकी-चने की दाल, रोटी, चावल के साथ केले, लौकी और तोरई की सब्जी परोसी गई।

स्कूल चलो अभियान की रैली निकली

5 स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को अधिक नामांकन पर सम्मानित किया गया

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग ने 'स्कूल चलो अभियान-2026' के दूसरे चरण के तहत एक जनजागरूकता रैली का आयोजन किया। यह रैली शनिवार, 18 जुलाई को दोपहर 1 बजे कलेक्ट्रेट परिसर से गांधी भवन तक निकाली गई। रैली का मुख्य उद्देश्य 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे का स्कूल में नामांकन सुनिश्चित करना था। इसके माध्यम से स्कूल से बाहर रह गए बच्चों को दोबारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। मुख्य विकास अधिकारी नेहा ब्याडवाल ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार, डायट प्राचार्य रमेंद्र कुमार सिंह, प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रभास कुँवर श्रीवास्तव, खंड शिक्षा अधिकारी डी.एल. राना और रतन लाल सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। रैली में बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए। प्रतिभागियों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर शिक्षा के महत्व का संदेश दिया। उन्होंने अभिभावकों से सभी बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराने की अपील की। कलेक्ट्रेट से गांधी भवन तक पूरे मार्ग में शिक्षा से जुड़े नारे गूंजते रहे।

फास्ट न्यूज

राम-कृष्ण मुस्लिम पैगंबर थे : एसटी हसन

मुरादाबाद। मौलाना के भगवान कृष्ण को मुस्लिम बताने के बाद सपा के पूर्व सांसद एसटी हसन ने श्रीराम और श्रीकृष्ण के पैगंबर होने की बात कही है।

मुरादाबाद में उन्होंने शनिवार को कहा, 'कई मुस्लिम स्कॉलर्स का मानना है कि हो सकता है श्रीराम और श्रीकृष्ण 1 लाख 24 हजार पैगंबरों में से एक हों।' उन्होंने कहा, 'इतने लंबे समय में कई बातें बदल जाती हैं, इसलिए मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता।

युवक की सड़क हादसे में मौत

हरदोई। हरदोई में शनिवार करीब 8:30 बजे सुबह एक सड़क हादसे में 28 वर्षीय युवक सत्येंद्र की मौत हो गई। वह अपनी बीमार पत्नी के लिए तीमारदार को बुलाने ससुराल जा रहा था, तभी उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी एक प्यासघर से टकरा गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। सवाय-जपुर कोतवाली क्षेत्र के नंदबाग निवासी सत्येंद्र पुत्र नृसिंह बाहर रहकर प्राइवेट नौकरी करता था।

युवती का शव फंदे से लटका मिला

उन्नाव। उन्नाव के हुसैन नगर मोहल्ले में शनिवार सुबह एक 20 वर्षीय युवती का शव उसके घर में फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने पड़ोस में रहने वाले एक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान हुसैन नगर निवासी 20 वर्षीय श्रीमति पुत्री कैलाश के रूप में हुई है।

हरदोई में बोला- रिश्तेदारों ने मारपीट की, शिकायत करने पर दरोगा ने भी पीटा

पिता बच्चों को लेकर 120 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में शनिवार सुबह एक युवक अपने दो छोटे बच्चों के साथ 120 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। उसने आरोप लगाया कि रिश्तेदारों ने उसके साथ मारपीट की। शिकायत करने पर दरोगा ने भी उसे पीटा। 20 हजार रुपए रिश्वत भी मांगी। दरोगा ने धमकी दी कि पैसे नहीं दिए तो झूठे मुकदमे में जेल भेज दूंगा। युवक ने टावर से एसपी के नाम दो पत्र भी नीचे फेंके। इसमें लिखा था कि अगर उसकी मौत होती है तो इसके जिम्मेदार दरोगा और उसके रिश्तेदार होंगे। युवक के टावर पर चढ़ने कीसूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस और प्रशासन की टीम पहुंची। सीओ ने मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया। करीब सवा दो घंटे तक हंगामा चला। इसके बाद दोपहर करीब 2 बजे युवक अपने दोनों बच्चों के साथ सुरक्षित नीचे उतर आया। घटना मल्लावां थाना क्षेत्र के भगवंतनगर गांव की है। राकेश (56) कैंसर से पीड़ित हैं। उनकी छोटी बेटी छाया और दामाद बबलू पिछले तीन साल से मायके में रहकर उनकी देखभाल कर रहे हैं। बबलू का आरोप है।

लेटर में लिखा- मौत हुई तो दरोगा और रिश्तेदार जिम्मेदार

शनिवार सुबह करीब 11:45 बजे बबलू अपने 7 साल के बेटे वैभव और 5 साल की बेटी गौरी को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ गया। टावर के ऊपर से उसने दो लेटर नीचे फेंके। एक लेटर में बबलू ने अपनी मौत के लिए दरोगा, सिपाही, साली, साढ़ू और साले को जिम्मेदार ठहराया। दूसरा लेटर उसने एसपी के नाम लिखा था। इसमें उसने पुलिस पर मारपीट करने और 20,000 रुपए रिश्वत न देने पर जेल भेजने की धमकी देने का आरोप लगाया।

मौके पर पुलिस और प्रशासन के अफसर पहुंचे। टावर पर चढ़े युवक को समझाकर नीचे उतारा।

युवक के बच्चों के साथ टावर पर चढ़ने की सूचना पर मौके पर भीड़ लग गई।

ईओ का औचक निरीक्षण, सफाई नायक को फटकार

अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को भी सख्त चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के गंगाघाट नगर पालिका परिषद के अधिशाषी अधिकारी (ईओ) डॉ. राजेश कुमार ने शनिवार शाम नगर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सफाई व्यवस्था, नाला-नालियों की सफाई और मार्ग प्रकाश व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों को फटकार लगाई गई, वहीं अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को भी सख्त चेतावनी दी गई। ईओ डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि सुबह छह बजे भी नगर पालिका की विभिन्न सेवाओं का औचक निरीक्षण किया गया। इसमें सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच के साथ मोहल्लों, मुख्य मार्गों,

नालों और नालियों की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर सफाई कार्य में देरी और एक नाले में कूड़ा जमा मिला। इस पर सफाई नायक बच्चालाल को मौके पर ही कड़ी फटकार लगाते हुए कार्य में सुधार के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान मार्ग प्रकाश व्यवस्था की भी जांच की गई। स्विच मैन के कार्यों का सत्यापन करते हुए पाया गया कि कुछ स्थानों पर स्ट्रीट लाइटें समय पर चालू या बंद नहीं की जा रही थीं। संबंधित स्विच मैन को अंतिम चेतावनी देते हुए स्पष्ट निर्देश दिए गए कि भविष्य में लापरवाही मिलने पर उन्हें सेवा से पृथक करने की कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, नगर पालिका परिसर में खड़े वाहनों का भी निरीक्षण किया गया और चालकों को नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य मार्ग पर करीब दो दर्जन दुकानदारों द्वारा साइकिल पथ पर अतिक्रमण का मामला भी सामने आया। ईओ ने मौके पर ही दुकानदारों को साइकिल ट्रैक के पीछे दुकानें लगाने के निर्देश दिए।

लोधेश्वर धाम में तैयारियों की समीक्षा

बाराबंकी में डीएम बोले- लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगी

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 20 जुलाई को प्रस्तावित लोधेश्वर महादेवा धाम आगमन से पहले जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद त्रिपाठी ने रामनगर स्थित लोधेश्वर महादेवा धाम पहुंचकर कार्यक्रम स्थल और हेलीपैड निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, बैरिकेडिंग और साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी तैयारियां समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरी करने के

निर्देश दिए। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और श्रद्धालुओं तथा आमजन की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद त्रिपाठी ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ओवरटेक करते समय ट्रक से टकराई कार, बेंगलुरु से छुट्टी मनाने आया था लखनऊ

एचएएल के अकाउंट-ऑफिसर की सड़क हादसे में हुई मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में ट्रक की टक्कर से कार सवार HAL कर्मचारी की मौत हो गई। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह करीब 7 बजे ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश में हादसा हो गया। जिसमें कार के परखच्चे उड़ गए। कार सवार की मौत हो गई। वह बेंगलुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड में असिस्टेंट अकाउंट ऑफिसर के पद पर तैनात थे। वह लखनऊ से अपने पैतृक गांव जा रहे थे। हादसे की सूचना पर यूपिडा की पेट्रोलिंग टीम और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल युवक को तुरंत हसनगंज सीएचसी ले जाया गया। जहां

डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की पत्नी क्षेत्र के ही एक प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज के जरिए जांच शुरू कर दी है। मामला जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर हसनगंज कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे का बताया जा रहा है।

अज्ञात वाहन के खिलाफ केस दर्ज, जांच में जुटी पुलिस

हसनगंज कोतवाली प्रभारी शरद कुमार ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला था। पुलिस ने कानूनी कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद अंकित के शव को अपने कब्जे में ले लिया है और उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय उन्नाव भेज दिया है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि - पीड़ित परिवार की तरफ से दी गई जानकारी और शिकायत के आधार पर अज्ञात वाहन और उसके चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। एक्सप्रेसवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

राहगीरों ने यूपिडा को सूचना दी, 30 मिनट चला रेस्क्यू

एक्सप्रेसवे से गुजर रहे अन्य राहगीरों ने जब कार कार में फंसे व्यक्ति को देखा तो उन्होंने तुरंत इसकी सूचना यूपिडा (UPIDA) की पेट्रोलिंग टीम और स्थानीय पुलिस को दी। खबर मिलते ही यूपिडा के सुरक्षाकर्मी और हसनगंज कोतवाली की पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस और यूपिडा के जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद अंकित को कार से बाहर निकाला।

उन्हें तुरंत एम्बुलेंस से नजदीकी हसनगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल ले जाते समय गंभीर चोटों के कारण उनकी मौत हो गई।

घटना : शॉर्ट सर्किट से मची तबाही, पानी खत्म होने से बढ़ीं फायर ब्रिगेड की मुश्किलें, बगल में है स्कूल

दुर्गा ऑटो पार्ट्स में भीषण आग

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी शहर में शनिवार को एक मोटर पार्ट्स की दुकान में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया और लपटें दूर तक दिखाई देने लगीं। घटना नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित चौराहे के पास जय दुर्गा मोटर पार्ट्स की दुकान की है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि राहत कार्य के दौरान दमकल वाहनों का पानी खत्म होने से कुछ समय के लिए अभियान प्रभावित भी हुआ। दुकान मालिक सुशील कुमार गुप्ता ने बताया कि शनिवार सुबह वह रोज की तरह दुकान खोलने पहुंचे थे। कर्मचारी ऊपर रखे सामान को व्यवस्थित कर रहे थे। इसी दौरान अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ और चिंगारी ने देखते ही देखते पूरी दुकान को आग की लपटों में बदल दिया।

समय रहते टला बड़ा हादसा

दमकल कर्मियों की त्वरित कार्रवाई से आग को आसपास की दुकानों और इमारतों तक फैलने से रोक लिया गया। यदि आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता तो पास स्थित स्कूल और आसपास के व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी इसकी चपेट में आ सकते थे। अधिकारियों का कहना है कि दमकल टीम की सक्रियता से एक बड़ा हादसा टल गया।

स्कूल में मची अफरा-तफरी, बच्चों को सुरक्षित निकाला गया

घटना का सबसे संवेदनशील पहलू यह रहा कि जिस दुकान में आग लगी, उसके ठीक बगल में फाउंडेशन स्कूल संचालित है। घटना के समय स्कूल में बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद थे। दुकान से उठती आग की लपटें और धुएं को देखकर बच्चों में दहशत फैल गई। शिक्षक और स्कूल स्टाफ ने तत्काल सभी बच्चों को कक्षाओं से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में अभिभावक भी स्कूल पहुंच गए और अपने बच्चों को घर ले गए।

आग इतनी तेजी से फैली कि कर्मचारियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। आग लगने के बाद दुकान से ऊंची-ऊंची लपटें और काले धुएं का घना गुबार उठने लगा। मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता अधिक होने के कारण सफलता नहीं मिली। दुकान मालिक के अनुसार, आग में दुकान में रखा लगभग पूरा सामान जलकर राख हो गया।

दमकल के पानी खत्म होने से बढ़ी मुश्किल

सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग की भयावहता के बीच दमकल वाहनों का पानी खत्म हो गया, जिससे राहत कार्य कुछ समय के लिए रुक गया। इसके बाद दमकल कर्मियों ने तत्काल जिला अस्पताल परिसर के पंप से पानी भरकर दोबारा अभियान शुरू किया। लगातार प्रयास के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया।

बैंक ऑफ इंडिया ने उन्नाव में किसान गोष्ठी की

35 किसानों को 18.75 करोड़ के ऋण स्वीकृति पत्र बांटे

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में बैंक ऑफ इंडिया ने राष्ट्रीयकरण दिवस के उपलक्ष्य में संचालित कृषि माह कार्यक्रम के तहत किसान गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान जिले के 35 किसानों को कुल 18.75 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। बैंक के प्रधान कार्यालय से आए वरिष्ठ अधिकारियों ने किसानों से संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं और बैंकिंग सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने का भरोसा दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एलएमडी आर.के. गौतम ने बताया कि बैंक ऑफ इंडिया प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीयकरण दिवस के अवसर पर कृषि माह

का आयोजन करता है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की आवश्यकताओं को समझना, उन्हें समय पर बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराना और केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाना है। उन्होंने कहा कि बैंक किसानों को केवल ऋण उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें आधुनिक बैंकिंग सेवाओं और वित्तीय जागरूकता से भी जोड़ने का कार्य कर रहा है। आर.के. गौतम ने बताया कि किसान गोष्ठी के माध्यम से किसानों को कृषि वित्त, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), फसल ऋण और विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाती है। इससे किसान अपनी जरूरतों के अनुरूप योजनाओं का लाभ लेकर खेती को अधिक लाभकारी और आधुनिक बना सकते हैं। बैंक के एक प्रबंधक ने बताया कि कृषि माह अभियान के तहत प्रधान कार्यालय की टीम उन्नाव पहुंची है। उन्होंने किसानों से बैंकिंग प्रणाली से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि बैंक से जुड़े किसानों को आसान ऋण, सरकारी सब्सिडी आधारित योजनाओं और अन्य वित्तीय सेवाओं का लाभ आसानी से मिल सकता है।

सम्पादकीय

नागरिकता का प्रश्न

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के समय वोटर लिस्ट से बड़ी संख्या में लोगों के नाम काटे जाने और उन्हें कथित तौर पर सरकारी योजनाओं से वंचित करने के मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जो कुछ कहा, उससे भ्रम पूरी तौर पर दूर होना कठिन ही है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची से नाम कटने का मतलब नागरिकता खत्म होना नहीं है, क्योंकि चुनाव आयोग को नागरिकता तय करने का अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी ऐसा ही कहा था, लेकिन तब उसने यह भी जोड़ा था कि आयोग मतदाता सूची बनाते या उसे संशोधित करते समय नागरिकता की सीमित जांच कर सकता है।

उसने ऐसी टिप्पणी इसलिए की थी, क्योंकि चुनाव आयोग को यह देखना होता है कि मतदाता भारतीय नागरिक है या नहीं? उसे यह देखने का अधिकार इसीलिए दिया गया, क्योंकि चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने का हक भारतीय नागरिकों को ही मिल सकता है। निःसंदेह चुनाव आयोग के पास यह अधिकार नहीं कि वह किसी की नागरिकता का निर्धारण करे, क्योंकि नागरिकता का निर्धारण तो भारतीय नागरिकता अधिनियम के तहत होता है और इसके अनुसार जन्म, वंश, भारत में लंबे समय से रहने आदि के आधार पर नागरिकता तय होती है। समस्या यह है कि अपने देश में नागरिकता सिद्ध करने वाला कोई सुनिश्चित प्रमाण पत्र नहीं है। इसीलिए पिछले दिनों जब यह बात सामने आई कि पासपोर्ट यात्रा का दस्तावेज मात्र है, नागरिकता का प्रमाण नहीं, तब भी यह बहस उठी थी कि आखिर किसी की नागरिकता का निर्धारण किस प्रमाण पत्र से होगा? इस प्रश्न का कोई सीधा-सरल उत्तर तब तक नहीं मिल सकता, जब तक लोगों को नागरिकता सिद्ध करने वाला कोई प्रमाण पत्र नहीं दिया जाता।

ध्यान रहे कि आधार, ड्राइविंग लाइसेंस के साथ पैन, राशन कार्ड आदि भी नागरिकता के दस्तावेज नहीं हैं। मतदाता पहचान पत्र भी नागरिकता का प्रमाणन नहीं करता। चुनाव आयोग की एसआइआर प्रक्रिया इसीलिए जटिल है, क्योंकि लोगों के पास ऐसे दस्तावेज बहुत कम हैं, जिनसे उनकी नागरिकता का आसानी से प्रमाणन हो जाए। अपने देश की एक अन्य समस्या यह है कि यदि कोई राशन कार्ड, आधार आदि बनवा ले तो फिर वह हर तरह के दस्तावेज हासिल कर सकता है- मतदाता पहचान पत्र से लेकर पासपोर्ट तक।

यह किसी से छिपा नहीं कि तमाम बांग्लादेशी घुसपैठियों ने ऐसा कर रखा है। यदि यह समझा जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट के यह कहने से समस्या का समाधान हो जाएगा कि चुनाव आयोग किसी की नागरिकता तय नहीं कर सकता तो यह सही नहीं। ऐसी किसी टिप्पणी से एसआइआर की प्रक्रिया भी आसान नहीं होने वाली, क्योंकि चुनाव आयोग को तो यह सुनिश्चित करना ही होगा कि मतदाता भारतीय नागरिक हो।

संघ की शताब्दी यात्रा

संघ की जीवंत परम्परा की सूरत सत्य के आईने में

> पुस्तक में संघ से जुड़े अनेक मिथकों और विवादों पर भी खुलकर चर्चा की गई है। हिंदू राष्ट्र की अवधारणा, जाति व्यवस्था, आरक्षण, महिलाओं की भूमिका, अल्पसंख्यकों के प्रति दृष्टिकोण तथा लोकतंत्र के प्रति संघ की प्रतिबद्धता जैसे विषयों को विस्तार से समझाया गया है।

सृजन में शोर नहीं होता। साधना के जुबान नहीं होती। किंतु सिद्धि में वह शक्ति होती है कि हजारों पर्वतों को तोड़कर भी उजागर हो उठती है। यह कथन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अक्षरशः सत्य सिद्ध होता है। संघ अपने स्थापना के सौवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा बोया गया एक छोटा-सा संगठनात्मक बीज आज भारतीय समाज के सबसे व्यापक स्वयंसेवी संगठनों में विकसित हो चुका है। इन सौ वर्षों में संघ ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे- स्वतंत्रता आंदोलन का दौर, देश का विभाजन, प्रतिबंध, आपातकाल, सामाजिक परिवर्तन, वैश्वीकरण, कोरोना महामारी और विकसित भारत की नई आकांक्षाएं। इन सभी चरणों में संघ ने स्वयं को केवल एक संगठन के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, संगठन और राष्ट्रचेतना के माध्यम के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। यही कारण है कि संघ की शताब्दी केवल किसी संगठन की यात्रा का उत्सव नहीं, बल्कि इस सार्थक एवं राष्ट्र-निर्माण की विचार-यात्रा का मूल्यांकन भी है। इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में प्रकाशित 'आरएसएस एट 100: एक सदी संकल्प की' अत्यंत महत्त्वपूर्ण पुस्तक बनकर सामने आती है। प्रभात प्रकाशन से प्रकाशित इस कृति के लेखक श्याम जाजू और अनुपम त्रिवेदी हैं। लेखक द्वय की इस पुस्तक में संघ के अतीत एवं भविष्य की विवेचना करते हुए भारत एवं नया भारत निर्मित करने में उसकी भूमिका को उजागर किया है और उसके इतिहास में सच्चाई के प्रतिबिम्बों को उभारने पर बल दिया है। संघ के इतिहास को धूमिल किया गया, धुंधलाया गया है, अन्यथा संघ का इतिहास दुनिया के लिये एक प्रेरणा है, अनुकरणीय है। क्योंकि संघ एक ऐसा शांति-अहिंसामय संगठन है, जो हर मोड पर निरंतरता लिये हुए सृजनात्मक बना रहा है। इसी निरंतरता में संघ की पहली शताब्दी का महत्व निहित है और शायद अगली शताब्दी के संकल्पों की दिशा भी। सम्पूर्ण दुनिया भारत की ओर देख रही है, उसमें विश्व गुरु की पात्रता निरन्तर प्रवहमान रही है, हमने कोरोना महामारी के एक जटिल एवं संघर्षमय दौर में दुनिया के सभी देशों के हित-चिन्तन का भाव रखा, सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास मंत्र के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साबित किया कि वसुधैव कुटुम्बकम- दुनिया एक परिवार है, का भारतीय दर्शन ही मानवता का उजला भविष्य है। इसी विचार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आगे बढ़ रहा है, वह एक अनोखा और दुनिया का सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। यह भारतीय राष्ट्रवाद की सबसे मुखर, सबसे प्रखर आवाज है। देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता उसका मूल उद्देश्य है। जैसे-जैसे संघ का वैचारिक, सांस्कृतिक, सामाजिक प्रभाव देश और दुनिया में बढ़ रहा है, वैसे-वैसे हिंदुत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पित इस संगठन के बारे में जानने और समझने की ललक लोगों के बीच बढ़ती जा रही है। इस विशाल संगठन के विभिन्न विषयों पर विचार तथा इसकी कार्यप्रणाली से आमजन परिचित होना चाहते हैं। जाजू एवं त्रिवेदी की पुस्तक संघ से जुड़ी जिज्ञासाओं का प्रभावी, प्रासंगिक एवं तथ्यपरक विवेचन करती है। एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन होते हुए भी संघ ने भारतीय राजनीति की दिशा को राष्ट्रीयता की ओर कैसे परिवर्तित किया है, यह समझने के लिए भी यह पुस्तक पढ़ना आवश्यक है। भारत का विश्वगुरु के रूप में अभ्युदय एक महत्वपूर्ण प्रश्न रहा जिसकी विवेचना लेखक ने समग्र रूप से प्रस्तुत पुस्तक में की है, जो संघ के शताब्दी वर्ष की आयोजना का मूल केन्द्र है। इस महत्वपूर्ण पुस्तक का लोकार्पण भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में किया। समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय तथा अनेक विशिष्ट जनों की उपस्थिति ने इसे केवल पुस्तक-विमोचन तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि संघ की शताब्दी यात्रा पर एक राष्ट्रीय विमर्श का स्वरूप प्रदान किया। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने संघ-इतिहास से जुड़ी अनेक नये सन्दर्भो एवं बातों को विवेचित करते हुए कहा कि किस तरह से संघ पिछले सौ वर्षों से राष्ट्र और समाज की सेवा कर रहा है, किंतु उसके बारे में आज भी अनेक भ्रांतियां और पूर्वाग्रह मौजूद हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक उन भ्रमों को दूर करने और संघ के वास्तविक स्वरूप को समझने का सशक्त माध्यम बनेगी। यह टिप्पणी इस पुस्तक की मूल आत्मा भी है, क्योंकि इसका उद्देश्य केवल संघ का गुणगान करना नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक यात्रा, संगठनात्मक विकास, राष्ट्र निर्माण में भूमिका तथा भविष्य की दिशा को तथ्यपरक ढंग से सामने रखना है। इस पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह संघ को केवल अतीत के संदर्भ में नहीं देखती, बल्कि विकसित भारत-2047, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता, सेवा, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक भारत की उभरती भूमिका के साथ जोड़कर उसका विश्लेषण करती है। इसलिए यह केवल संघ के इतिहास का दस्तावेज नहीं, बल्कि नए भारत के वैचारिक विमर्श का भी एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ है। पुस्तक का स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा अध्याय विशेष रूप से उल्लेखनीय है। लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि संघ का स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं था। पुस्तक इस धारणा का ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर प्रतिवाद करती है। इसमें डॉ. हेडगेवार की स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका, उनके कारावास, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा क्रांतिकारियों को सहयोग तथा विभाजन के समय राहत और सुरक्षा कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। पुस्तक का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें संघ को राजनीति से जोड़कर देखने की सीमित दृष्टि का विस्तार किया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि संघ स्वयं राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले व्यक्तियों का निर्माण करने वाला संगठन है। शिक्षा, ग्राम विकास, पर्यावरण, सेवा, संस्कृति, श्रमिक संगठन, छात्र आंदोलन, महिला सशक्तीकरण, अनुसूचित वर्गों के उत्थान तथा आपदा राहत जैसे अनेक क्षेत्रों में संघ प्रेरित संगठनों की भूमिका का विस्तृत परिचय दिया गया है। विशेष रूप से सेवा कार्यों का विवरण इस पुस्तक की आत्मा है। कोरोना महामारी, प्राकृतिक आपदाओं, सीमावर्ती क्षेत्रों, वनवासी समाज तथा अभावग्रस्त वर्गों के बीच संघ और उसके स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों को तथ्यात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ का सेवा कार्य केवल संकट के समय तक सीमित नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक साधना है। विशेष रूप से राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से महिलाओं की सहभागिता का विवरण उन धारणाओं को चुनौती देता है कि संघ में महिलाओं के लिए कोई स्थान नहीं है।

ललित गर्ग

राग से विराग की ओर

हमारी सृष्टि में जन्म, बूढ़ापा, रोग व मृत्यु आदि - आदि दुख हैं। शास्त्र में बताया गया हैं कि बुढ़ापे में आदमी परवश हो जाता है व परवशता भी एक दुख हैं। बुढ़ापा दुख है तो जन्म, बीमारी व मौत भी दुख है। वह जो व्यक्ति अर्थ में रत्त रहता है वह दुख का अतिक्रमण कर लेता है। जैन श्वेतांबर आम्नाय में बत्तीस आगम मान्य हैं। इनमें ग्यारह अंग, बारह उपांग, चार मूल, चार छेद और एक आवश्यक हैं। सभी आगम प्रमाण के रूप में सम्मत हैं। इनमें एक आगम हैं- उत्तरज्झयणाणि। इस आगम में तत्त्व ज्ञान भी उपलब्ध होता हैं। वह इसमें घटनाओं और कथानक आदि के माध्यम से भी कुछ देने का प्रयास हुआ हैं। अध्यात्म की दृष्टि से साधक व श्रावक समझ कर आत्मा को एक सुंदर दिशा - निर्देश भी प्राप्त हो सकता हैं। परिषहों को सहन करने का सुंदर शिक्षण हमें इस आगम के दूसरे अध्ययन से प्राप्त होता हैं। कईं चरित्रात्माएं इस आगम को कंठस्थ करने का भी प्रयास करते हैं। स्वाध्याय ज्ञान की अच्छी बातों में लीन बनें तो दुख से मुक्ति व सुख की प्राप्ति संभव है। वह ज्ञान सही ज्ञान है, जिस ज्ञान से राग से विराग की ओर व आत्म कल्याण की ओर आदमी प्रस्थान कर लेता हैं व उसमें मैत्री भावना विकसित हो जाती हैं। वह ऐसी साधना करने वाला जन्म-मरण से मुक्त बन सकता हैं। वह जिन शासन में ज्ञान का बहुत महत्त्व हैं। ज्ञान अध्यात्म विद्या का भी होता हैं तो लौकिक विद्या का भी हो सकता हैं। हम श्रावकों के द्वारा चरित्रात्माओं व आगम आदि से ज्ञान को ग्रहण करने का अधिक प्रयास होना चाहिए। यह एक विवेच्य बात हो सकती हैं। एक ज्ञान वह होता हैं जिसे ग्रहण करने से आत्मोथान की प्रेरणा मिल सकती हैं। वह सुंदर आध्यात्मिक शिक्षा भी प्राप्त हो सकती हैं। वह दूसरे ऐसे ग्रन्थ भी हैं, जिनका अध्यात्म से सीधा संबंध नहीं होता, अपितु जिनको ज्यादा पढ़ने से मन में अपवित्रता भी आ सकती हैं। यद्यपि ज्ञान की जहां तक बात हैं, वह अपने आप में शुद्ध हैं। क्योंकि ज्ञेय तो नव ही तत्त्व हैं, परन्तु उनमें हेय भी हैं और उपादेय भी हैं। वह जो ग्रहण करने योग्य हों, जिस ज्ञान से आत्मा का कल्याण हों, उसी ज्ञान को हमको अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए।

> प्रदीप छाजेड़

चंपावत का आकर्षण... — डॉ. शैलेश शुक्ला

उत्तराखंड का वह अनमोल पर्यटन रत्न, जहाँ प्रकृति बार-बार बुलाती है

विश्व भर में पर्यटन उद्योग तेजी से बदल रहा है। आधुनिक यात्री अब केवल भीड़भाड़ वाले पर्यटन स्थलों, चमकदार होटलों और कृत्रिम मनोरंजन सुविधाओं की तलाश में नहीं हैं। वे ऐसे अनुभव चाहते हैं जो उन्हें प्रकृति के निकट ले जाएँ, स्थानीय संस्कृति से परिचित कराएँ, मानसिक शांति प्रदान करें और जीवन की भागदौड़ से कुछ समय के लिए दूर ले जाकर आत्मिक संतुलन स्थापित करने का अवसर दें। इसी बदलती वैश्विक पर्यटन प्रवृत्ति के बीच उत्तराखंड का चंपावत जिला एक ऐसे गंतव्य के रूप में उभरता दिखाई देता है, जो न केवल हिमालयी पर्यटन की मूल आत्मा को संजोए हुए है, बल्कि भविष्य के सतत, सांस्कृतिक और अनुभवात्मक पर्यटन की संभावनाओं को भी अपने भीतर समेटे हुए है। विडंबना यह है कि भारत और विश्व के अधिकांश पर्यटक अभी तक इस अनमोल धरोहर से पूरी तरह परिचित नहीं हो सके हैं, जबकि इसकी प्राकृतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संपदा इसे किसी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्वतीय पर्यटन केंद्र की श्रेणी में खड़ा करने की क्षमता रखती है।

जब भारत के पर्वतीय पर्यटन की चर्चा होती है, तो प्रायः नैनीताल, मसूरी, शिमला और मनाली जैसे प्रसिद्ध स्थलों का नाम लिया जाता है। इन स्थानों ने दशकों से पर्यटकों को आकर्षित किया है, किंतु बढ़ती भीड़, अनियंत्रित व्यावसायीकरण, यातायात का दबाव और पर्यावरणीय चुनौतियों ने उनके मूल आकर्षण को कई स्थानों पर प्रभावित भी किया है। इसके विपरीत चंपावत आज भी अपनी प्राकृतिक गरिमा, सांस्कृतिक मौलिकता और शांत वातावरण को बड़ी सीमा तक सुरक्षित रखने में सफल रहा है। यही कारण है कि जो यात्री पर्यटन को केवल एक मनोरंजक गतिविधि नहीं, बल्कि जीवन के अनुभव और आत्मिक पुनर्संपर्क के रूप में देखते हैं, उनके लिए चंपावत एक असाधारण गंतव्य सिद्ध हो सकता है। हिमालय की गोद में बसा यह क्षेत्र प्रकृति की उन दुर्लभ देनों में से एक है, जहाँ पर्वत, वन, नदियाँ, झीलें और आकाश मिलकर ऐसा दृश्य संसार रचते हैं जिसे शब्दों में पूरी तरह व्यक्त करना कठिन है। गर्मियों के दिनों में जब उत्तर भारत के मैदानी शहर भीषण गर्मी और प्रदूषण से जूझ रहे होते हैं, तब चंपावत का मौसम अपेक्षाकृत शीतल, स्वच्छ और स्फूर्तिदायक बना रहता है। यहाँ की पहाड़ियों पर फैले देवदार, ओक, चीड़ और बुरांश के वन न केवल क्षेत्र की जैव विविधता को समृद्ध करते हैं, बल्कि पर्यटकों को एक ऐसे वातावरण में ले जाते हैं जहाँ प्रकृति अभी भी अपनी मूल लय में साँस लेती हुई प्रतीत होती है। सुबह की धुंध, पहाड़ियों के पीछे से उगता सूर्य, दूर-दूर तक फैली हरियाली और हिमालय की बर्फाच्छादित चोटियों पर पड़ती सुनहरी किरणें किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को गहरे स्तर पर प्रभावित करती हैं।

चंपावत का आकर्षण केवल उसके प्राकृतिक दृश्यों तक सीमित नहीं है। यह क्षेत्र भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का भी एक महत्वपूर्ण अध्याय प्रस्तुत करता है। कभी चंद राजवंश की राजधानी रहा यह जिला अपने भीतर मध्यकालीन इतिहास, स्थापत्य कला और धार्मिक परंपराओं की अनेक स्मृतियाँ समेटे हुए है। यहाँ के प्राचीन मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थल नहीं, बल्कि इतिहास के जीवंत दस्तावेज हैं। बलेश्वर मंदिर जैसे स्थापत्य स्मारक इस बात के साक्षी हैं कि हिमालयी क्षेत्रों में कला और संस्कृति का विकास कितनी ऊँचाइयों तक पहुँचा था। स्थानीय लोककथाएँ, लोकगीत, पारंपरिक उत्सव और कुमाऊँनी जीवनशैली आज भी इस क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखे हुए हैं। ऐसे समय में जब वैश्वीकरण के दबाव में अनेक स्थानीय संस्कृतियाँ अपनी विशिष्टता खोती जा रही हैं, चंपावत अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

चंपावत का एक और महत्वपूर्ण पक्ष इसकी आध्यात्मिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी संभावनाएँ हैं। आज की दुनिया अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति के बावजूद तनाव, अकेलेपन और मानसिक थकान जैसी चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे में वे स्थान अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं जहाँ व्यक्ति कुछ समय के लिए स्वयं से संवाद कर सके।

फेमिनिज्म द्वारा... — क्षमा शर्मा

अतिवाद की हदों को पार करता स्त्रीवाद

हाल में अमेरिका में हुए कुछ सर्वे और रिपोर्ट पढ़ी। उनमें बताया गया है कि वहां अधिकांश स्त्रियां पुरुषों से बराबरी चाहती हैं। समान वेतन और समान सुविधाओं को पसंद करती हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश खुद को फेमिनिस्ट या स्त्रीवादी नहीं कहलाना चाहतीं। बहुत से पुरुष भी स्त्रियों के अधिकारों के प्रबल समर्थक हैं, पर वे इस शब्द से परहेज करते हैं। आखिर इसका कारण क्या है? स्त्रियों का कहना है कि स्त्रीवाद ने शुरुआत में जो अधिकार मांगे थे, जैसे शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य आदि वे कमोबेश पूरे हो चुके हैं। जहां नहीं हुए हैं, वहां इन पर सोचा जा रहा है। इसलिए अब पुराने रागों का अलाप बंद होना चाहिए। वे फेमिनिज्म के अतिवादी रूप (रेडिकल फेमिनिज्म) से परेशान हैं। उनका कहना है कि हमेशा पुरुषों को शिकारी और अपने को शिकार दिखाना गलत अवधारणा है। पुरुष अच्छे भी हो सकते हैं और स्त्रियां बुरी भी हो सकती हैं। वे यह भी कहती हैं कि किसी दफ्तर में अधिकारी बनकर घंटों काम करने और दफ्तर की परेशानियों को झेलने से उनका जीवन आसान नहीं, बहुत कठिन हुआ है।

यही नहीं, फेमिनिज्म द्वारा स्त्री की हर पुरानी भूमिका की आलोचना की जाती है, जैसे खाना बनाने, बच्चे पालने, घर की देखभाल करने आदि को पिछड़ापन और शोषण का कारक बताया जाता है। यह सोच उन स्त्रियों को छोटा करता है, उनका अपमान करता है, जो इन भूमिकाओं में रहना चाहती हैं। इन स्त्रियों का कहना है कि यदि वे अपनी मर्जी से ये सब करना चाहती हैं तो कोई और उनका मजाक कैसे उड़ा सकता है? उन्हें मुख्यधारा से कटा

हुआ कैसे कह सकता है? यह भी सच है कि नौकरीपेशा स्त्रियां एक तरह से खुद को सैंडविच की तरह से महसूस करती हैं, क्योंकि उन्हें घर भी देखना होता है और दफ्तर में भी काम करना होता है। स्त्रियों का कहना यह भी है कि मेनस्ट्रीम फेमिनिस्ट स्त्रियों को हमेशा कमजोर साबित करती रहती हैं, जबकि उन्हें स्त्रियों की तरह-तरह की भूमिकाओं, उन्हें निभाने की उनकी ताकत और उनकी क्षमताओं पर बात करनी चाहिए। यही नहीं, पुरुषों को हमेशा नकारात्मक रूप में पेश करना भी समाज की कोई भलाई नहीं करता, क्योंकि अधिकांश पुरुष भी परिवार के लिए नौकरी या अच्छे काम करते हैं। उनकी इन भूमिकाओं की सराहना आखिर क्यों नहीं की जानी चाहिए? अमेरिका में चलने वाले ट्रेडिशनल वाइफ मूवमेंट में शामिल स्त्रियां यह तक कहती हैं कि यदि वे अपने पति के लिए खाना बनाती हैं, बच्चों की देखभाल करती हैं तो यह उनका चुनाव है, पसंद है। दूसरी महिला इस पर सवाल उठाने वाली कौन होती है। इन बातों को पढ़ते हुए यही लगा कि कोई भी विमर्श शुरुआत में सहानुभूति से शुरू होता है।

जरा हटके

गाजियाबाद में बकरी पालन ने नाजमा को बनाया ग्रामीण स्वावलंबन की मिसाल

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और कृषि-प्रधान राज्य में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर संवेदनशील और प्रयासशील है। राज्य के ग्रामीण एवं दूरदराज के इलाकों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने, गरीबी उन्मूलन और समाज के कमजोर वर्गों, विशेषकर महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा संचालित ''बकरी पालन योजना'' एक युगांतकारी पहल साबित हो रही है। ग्रामीण परिवेश में बकरी नका रखरखाव बेहद आसान है, इसके पोषण के लिए कम संसाधनों की आवश्यकता होती है और यह न्यूनतम लागत में अधिकतम मुनाफा देने का एक विश्वसनीय साधन है। प्रदेश सरकार की इस दूरदर्शी योजना का प्राथमिक लक्ष्य सीमांत और लघु किसानों की आय में गुणात्मक वृद्धि करना तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोककर स्थानीय स्तर पर ही स्वरोजगार के बेहतरीन अवसर उपलब्ध कराना है, जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं को प्राथमिकता देकर समावेशी विकास की अवधारणा को साकार किया जा रहा है।

प्रदेश सरकार द्वारा इस महत्वाकांक्षी योजना को वैज्ञानिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण से विभिन्न स्तरों पर लागू किया गया है, ताकि हर वर्ग का लाभार्थी अपनी क्षमता के अनुसार इसका लाभ उठा सके। राज्य में मुख्य रूप से दो प्रकार के मॉडल अत्यधिक लोकप्रिय हो रहे हैं। पहले मॉडल के तहत, सीमांत किसानों, भूमिहीन मजदूरों और घरेलू महिलाओं के लिए 10 बकरी और 1 बकरा अथवा 20 बकरी और 1 बकरा की लघु स्तरीय यूनिट स्थापित करने का प्रावधान है। वहीं, बड़े स्तर पर व्यावसायिक पशुपालन शुरू करने के इच्छुक उद्यमियों के लिए 100 बकरी और 5 बकरा की कमर्शियल यूनिट स्थापित करने हेतु भारी वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इस पर प्रदेश सरकार द्वारा दी जाने वाली आकर्षक सब्सिडी है, जो लाभार्थियों पर पूंजीगत व्यय के बोझ को काफी हद तक कम कर देती है। योजना के अंतर्गत सामान्य वर्ग के लाभार्थियों को कुल लागत का लगभग 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है, जबकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आवेदकों के लिए यह सब्सिडी 60 से 70 प्रतिशत तक निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त, बची हुई आवश्यक धनराशि के लिए प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन के समन्वय से नाबार्ड तथा स्थानीय बैंकों के माध्यम से बेहद आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है, जिससे पूंजी के अभाव में कोई भी पात्र व्यक्ति इस लाभ से वंचित न रहे। योजना की सफलता को सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश की जलवायु के अनुकूल और अधिक दूध व मांस का उत्पादन करने वाली उन्नत नस्लों के पालन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद और आसपास के क्षेत्रों के लिए अत्यधिक उपयुक्त मानी जाने वाली प्रसिद्ध 'बरबरी' नस्ल को प्राथमिकता दी जा रही है। बरबरी नस्ल की बकरियां कम स्थान में आसानी से रह लेती हैं और साल में दो बार बच्चे देने की क्षमता रखती हैं, जिससे पशुपालक को तेजी से आर्थिक लाभ होता है। इसके अलावा, राज्य के विभिन्न क्षेत्रों की मांग के अनुसार दूध उत्पादन के लिए सर्वश्रेष्ठ 'जमुना-पारी' तथा मांस और दूध दोनों के लिए बेहतरीन मानी जाने वाली 'बीतल' और 'सिराही' जैसी नस्लों के संवर्धन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार की नीति केवल वित्तीय सहायता देने तक सीमित नहीं है, अपितु पशुओं के समय पर टीकाकरण, स्वास्थ्य परीक्षण और वैज्ञानिक आहार प्रबंधन के लिए भी व्यापक तकनीकी सहायता निरंतर उपलब्ध कराई जाती है। पारदर्शी और सरल आवेदन प्रक्रिया इस योजना की एक अन्य महत्वपूर्ण कड़ी है। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार, इस योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह से सुगम और बाधारहित बनाया गया है।

हम किस दिशा में जा रहे हैं?

जब किसी देश का भविष्य मजबूत बनाना हो, तो सबसे पहले उसकी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाता है। लेकिन आज ऐसा महसूस होता है कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, महंगाई और युवाओं के भविष्य जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जितनी गंभीर चर्चा होनी चाहिए, उतनी नहीं हो रही। राजनीति में अक्सर धर्म, जाति और भावनात्मक मुद्दे अधिक चर्चा में रहते हैं। जबकि आम नागरिक चाहता है कि उसके बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, युवाओं को रोजगार मिले, अस्पताल बेहतर हों और देश का विकास हो। लोकतंत्र में जनता को यह अधिकार है कि वह इन विषयों पर सवाल पूछे और बेहतर व्यवस्था की मांग करे। एक स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान

यही है कि अलग-अलग विचारों को सम्मान मिले और लोग बिना डर के अपनी राय रख सकें। कानून का सम्मान करते हुए हर नागरिक को अपनी बात शांतिपूर्ण और जिम्मेदारी से रखने का अधिकार होना चाहिए।

देश की असली ताकत नफरत फैलाने में नहीं, बल्कि अच्छी शिक्षा, वैज्ञानिक सोच, रोजगार के अवसर, ईमानदार शासन और सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार में है। जब इन मुद्दों पर खुलकर चर्चा होगी,

तभी देश और मजबूत बनेगा।

आइए, हम किसी व्यक्ति, धर्म या समुदाय के खिलाफ नहीं, बल्कि शिक्षा, विकास, रोजगार और बेहतर भविष्य के पक्ष में आवाज़ उठाएँ। यही एक जागरूक नागरिक की पहचान है और यही देशहित का सबसे सकारात्मक रास्ता है।

मोहम्मद अदनान आलम

रकम और चोरी के नेटवर्क की होगी पड़ताल, जिला जेल से पुलिस लाइन लाए गए दोनों आरोपी

राम मंदिर चढ़ावा चोरी : टिन्नू और भतीजा 39 घंटे की पुलिस रिमांड पर

सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा चोरी का आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू ब्याज पर भी पैसा देता था। पुलिस को जांच में यह बात पता चली है। सूत्रों के मुताबिक, टिन्नू ने अपने भतीजे का घर बनवाने के लिए 30-35 लाख रुपए ब्याज पर दिए थे। भतीजे का घर तुलसी चौरा इलाके में बन रहा था। हालांकि, चढ़ावा चोरी मामला सामने आने के बाद मकान का निर्माण बंद है। जांच में ये बात भी सामने आई है कि खाकी अखाड़ा के एक व्यापारी को भी 20 लाख रुपए ब्याज पर दिए थे।

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी रामशंकर यादव उर्फ 'टिन्नू' और उसके भतीजे मनीष यादव को पुलिस ने रिमांड पर ले लिया है। शनिवार सुबह साढ़े 8 बजे पुलिस दोनों को लेने जिला जेल पहुंची। यहां से करीब 20 मिनट बाद दोनों को लेकर पुलिस लाइन रवाना हो गई। जहां दोनों से पूछताछ की जाएगी।सीओ आशुतोष तिवारी जब टिन्नू और मनीष को जेल से बाहर लेकर आए तो दोनों गमछे से अपना मुंह छिपाते नजर आए। पुलिस पता लगाएगी कि कैसे और कब चोरी की गई। रकम को कहां

छिपाया गया। शुक्रवार को पुलिस ने फैजाबाद कोर्ट से आरोपियों की 7 दिन की रिमांड मांगी थी। लेकिन, कोर्ट ने 39 घंटे की रिमांड मंजूर की। टिन्नू पूर्व महासचिव चंपत राय का करीबी रहा है। वह मंदिर के दानपात्रों की देखरेख करता था, जबकि मनीष चढ़ावे की गिनती का काम करता था। पुलिस ने टिन्नू के घर से 1 लाख रुपए और मनीष के घर से 2 लाख रुपए बरामद किए थे।

> सपा प्रवक्ता आशुतोष वर्मा ने कहा- मुझे लगता है कि आज के समय में अगर इस देश में कोई दो बड़े मुद्दे पूछे जाएं, तो पहला है राम मंदिर में चोरी और दूसरा है नीट इक्जामनेशन जैसे पेपर लीक होना।

महामंडलेश्वर विष्णु दास बोले- चंपत राय को मंदिर से हटाना जरूरी

महामंडलेश्वर विष्णु दास महाराज ने कहा- चंपत राय को अगर राम मंदिर से नहीं निकाला जाएगा तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि खराब होगी। 2027 में सत्ता पलट सकती है।

इसलिए चंपत राय को राम मंदिर से हटाना बहुत जरूरी है। चंपत राय के ही कारण यूपी के मुख्यमंत्री की छवि खराब हो रही है।

चढ़ावा चोरी के बाद ट्रस्ट ने प्रायश्चित अनुष्ठान शुरू कराया

चढ़ावा चोरी के बाद ट्रस्ट ने प्रायश्चित अनुष्ठान शुरू कराया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से 18 पुजारी और 5 आचार्य वेद मंत्रों का उच्चारण, रुद्राभिषेक और हवन कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, ट्रस्ट का मानना है।

50 साल पुराने हनुमान मंदिर में पुजारी की हत्या

महोबा में गर्दन काटी, सीढ़ियों पर शव फेंका

तमसा संकेत, एजेंसी

महोबा। यूपी के महोबा में 50 साल पुराने हनुमान मंदिर के पुजारी की हत्या कर दी गई। खून से लथपथ शव मंदिर की सीढ़ियों पर फेंक दिया। शनिवार सुबह 11 बजे जब कुछ लोग मंदिर पूजा करने पहुंचे तो सीढ़ियों पर शव देखा। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुजारी पिछले 20 साल से मंदिर में रहकर पूजा-पाठ करते थे। खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस, फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स के साथ मौके पर पहुंची। घटनास्थल से सबूत जुटाए। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। सीओ ने बताया कि धारदार हथियार से गर्दन रेतकर बेरहमी से हत्या की कई है। पुजारी के छोटे भाई की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। मामला जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर कुलपहाड़ थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के मुताबिक, हमीरपुर जिले में अमगांव के रहने वाले पुजारी उदित नारायण मिश्रा (55) महोबा के जैतपुर बेलाताल गांव के हनुमान मंदिर की देखरेख करते थे। जैतपुर बेलाताल गांव में 8 हजार मुस्लिम और 25 हजार हिंदू आबादी है। पुजारी मंदिर में अकेले ही रहते थे। उनकी शादी नहीं हुई थी। शनिवार सुबह गांव के ही कपिल मंदिर दर्शन करने पहुंचे तो देखा कि चौखट पर पुजारी का शव पड़ा था।

फास्ट न्यूज

'मस्जिद नहीं तोड़ने देंगे, सुप्रीम कोर्ट जाएंगे'

सहारनपुर। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद को हटाने का फैसला आने के बाद राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। शुक्रवार को कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने मामले में प्रतिक्रिया दी। कहा- कोर्ट का आदेश न्यायिक कम और प्रशासनिक एवं शासनिक अधिक प्रतीत होता है। किसी भी संपत्ति का स्वामित्व केवल खसरे के आधार पर तय नहीं किया जा सकता। प्रशासन को पहले अपने स्वामित्व संबंधी सभी दस्तावेज सार्वजनिक करने चाहिए। कोर्ट हमारे लिए भी है।

पड़ोसी ने कमरे में बंद कर बच्ची से अश्लीलता की

बिल्हौर। कानपुर में शुक्रवार शाम करीब 6 बजे घर के बाहर एक बच्ची खेल रही थी। पास में रहने वाला बुजुर्ग उसे बहला-फुसलाकर कमरे में ले गया। बुजुर्ग ने उसके साथ अश्लील हरकत की। इधर, परिजन बच्ची को ढूंढते हुए उसके पास पहुंच गए। परिजनों ने बुजुर्ग की पिटाई की। इसके बाद आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपीको हिरासत में लिया है। मामला बिल्हौर थाना क्षेत्र का है। गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार शाम छह वर्षीय बेटी घर के बाहर खेल रही थी।

हमरे क्लास में बदमाशी ना चली : रवि किशन

गोरखपुर। गोरखपुर के सांसद और एक्टर रवि किशन ने शनिवार को DDU में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के तौर पर ज्वाइन किया। ललित कला विभाग के नादायन हॉल में सुबह 11 बजे से उन्होंने पहली क्लास ली। सबसे पहले स्टूडेंट्स का परिचय जाना। उन्होंने भोजपुरी में कहा- हमरे क्लास में बदमाशी ना चली, बदतमीजी ना चली, क्लास में डिसिप्लिन चाही। कहा कि हमेशा पेन और पेपर लेकर बैठना है। मेरी क्लास में फुल अटेंडेंस चाहिए।

सास को कांवड़ में बैठाकर हापुड़ ले जा रही बहू

कांवड़ यात्रा में सेवा और संस्कार की मिसाल

तमसा संकेत, एजेंसी

हरिद्वार। कांवड़ यात्रा में हर साल ऐसे श्रद्धालु दिखाई देते हैं, जो अपने माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थ यात्रा कराते हैं और लोग उन्हें आधुनिक श्रवण कुमार कहते हैं। लेकिन इस बार हरिद्वार की सड़कों पर एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने हजारों श्रद्धालुओं को ठहरने पर मजबूर कर दिया। यहां एक बहू अपनी बुजुर्ग सास को कांवड़ में बैठाकर हरिद्वार से उत्तर प्रदेश के हापुड़ तक करीब 170 km पैदल यात्रा कर रही है। इस भावुक यात्रा की सबसे खास बात यह है कि इसमें परिवार की तीन पीढ़ियां साथ चल रही हैं। कांवड़ उठाए बहू पिंकी हैं, उसमें बैठीं उनकी सास ऊषा देवी हैं और उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है छोटी पोती राधा। यह दृश्य कांवड़ यात्रा की भीड़ के बीच सेवा, संस्कार और

> पदयात्रा के दौरान विश्राम करती बहू पिंकी और पोती राधा। कांवड़ में बैठीं बुजुर्ग ऊषा देवी।

पारिवारिक रिश्तों की अलग ही तस्वीर पेश कर रहा है।

उत्तर प्रदेश के हापुड़ की रहने वाली ऊषा देवी लंबे समय से गंगा स्नान और कांवड़ यात्रा करना चाहती थीं। बढ़ती उम्र की वजह से उनके लिए पैदल चलना संभव नहीं था। परिवार में चार बेटे होने के बावजूद उनकी इस इच्छा को पूरा करने की जिम्मेदारी बहू पिंकी ने अपने ऊपर ली।

महिला दरोगा ने फरियादी को जड़े 5 थप्पड़

बोली- तंग आ गई, आज तुम्हारा इलाज कर देती हूं, डीसीपी ने सस्पेंड किया

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में एक महिला दरोगा फरियादी को सुनने के बजाय उस पर जमकर थप्पड़ बरसाने लगी। दरोगा ने महिला से कहा- तुम्हारी रोज-रोज की शिकायत से तंग आ चुकी हूं। आज तेरा इलाज करती हूं।

चौबेपुर थाने में तैनात रोशनी सिंह ने महिला को 8 सेकेंड में 5 थप्पड़ मारे। थाने में मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। घटना गुरुवार शाम 5 बजे की है। इसका वीडियो आज सामने आया है। महिला फरियादी की थाने में सरेआम पिटाई का मामला तूल पकड़ने के बाद डीसीपी प्रमोद कुमार ने महिला दरोगा को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने विभागीय जांच के आदेश भी दिए हैं। महिला दरोगा

रोशनी सिंह मूल रूप से बिहार की रहने वाली हैं। वह वर्ष 2023 बैच की उपनिरीक्षक हैं। पुलिस सेवा में चयन के बाद उनकी पहली तैनाती वाराणसी कमिश्नरेट के चौबेपुर थाने में हुई थी।

चौबेपुर थाने में ही वह अपनी पहली पोस्टिंग पर कार्यरत है। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने पुलिस के व्यवहार पर सवाल उठाए। एक यूजर ने लिखा, 8 सेकेंड में 5 थप्पड़... ये कौन-सी ट्रेनिंग का हिस्सा है? अगर ऐसे ही फैसले होने हैं तो अदालतों की क्या जरूरत?

> एसीपी सारनाथ विनय द्विवेदी ने कहा- वीडियो का संज्ञान लिया गया है। शुरुआती जांच के आधार पर डीसीपी ने दरोगा रोशनी सिंह को निलंबित कर दिया है। मामले की जांच कराई जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला का जवाब सुनते ही भड़की दरोगा

पुलिस ने दोनों पक्षों को 16 जुलाई को थाने चौबेपुर पर बुलाया था। जहां महिला दरोगा ने गीता देवी को अपने पति को बुलाने के लिए कहा गया। इस पर गीता ने कहा कि मेरे पति काम पर गए हैं। हम लोग गरीब हैं। रोज का कमाना-खाना होता है। गीता देवी की ऊंची आवाज सुनते ही महिला दरोगा रोशनी सिंह भड़क गई।

जमीन मामले की शिकायत लेकर थाने पहुंची थी महिला

दलित महिला गीता देवी चौबेपुर के परानापुर की रहने वाली हैं। उन्हें कई साल पहले पट्टे में ग्राम समाज से आबादी की जमीन मिली थी। इसके एक हिस्से में उनका परिवार रहता था। बाकी का हिस्सा खाली पड़ा था।

आबादी की जमीन पर पट्टीदार लोगों की ओर से कब्जा किया जा रहा था। गीता देवी ने 15 जून को इसकी शिकायत चौबेपुर थाने में की थी। इसमें आरोप लगाया था कि उनकी जमीन पर पूनम देवी और अन्य लोगों द्वारा कब्जा किया जा रहा।

3-साल के बच्चे को कार ने रौंदा

ड्राइवर मोबाइल पर बात कर रहा था, मासूम का शव गोद में उठाकर दौड़ा भाई

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में शुक्रवार दोपहर 12:39 बजे एक कार ने तीन साल के बच्चे को कुचल दिया। बच्चा किसी बात पर जिद कर सड़क पर लेट गया था। इसी दौरान पीछे से आ रही कार उसे कुचलते हुए आगे निकल गई। झूंसी थाने से करीब 200 मीटर दूर हुआ। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। फुटेज में दिख रहा है कि कार बच्चे को कुचलने के बाद भी बिना ब्रेक लगाए आगे बढ़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि हादसे के समय चालक मोबाइल पर बात कर रहा था। हालांकि, पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। अज्ञात कार चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार और उसके चालक की पहचान कर तलाश की जा रही है। झूंसी के चमनगंज निवासी राजकुमार ग्रीन पार्क के पास परिवार के साथ रहते हैं।

> बच्चा जिद करते हुए सड़क पर लेट जाता है। उसी समय एक कार आती है और उसके कुचलते हुए आगे बढ़ जाती।

उनके तीन बेटे हैं। राजकुमार मजदूरी करते हैं। शुक्रवार दोपहर उनका तीन साल का बेटा अभिषेक दोनों भाइयों के साथ पास के नल से पानी लेने जा रहा था। ग्रीन पार्क के पास पेट्रोल पंप के सामने चलते समय दोनों भाई आगे निकल गए, जबकि अभिषेक जिद में सड़क पर लेट गया। तभी पीछे से आ रही कार उसके ऊपर से गुजर गई। कार का पहिया बच्चे के सिर के ऊपर से निकल गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पास की किराना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना रिकॉर्ड हुई है। फुटेज में दिख रहा है कि सर्विस रोड पर तीन बच्चे जा रहे थे। खेल-खेल में एक बच्चा सड़क पर लेट गया। उसी समय करीब 10 मीटर पीछे चल रही कार बिना रफ्तार कम किए उसके ऊपर से गुजर गई। चालक ने न ब्रेक लगाया और न ही गाड़ी रोकी। हादसे के बाद पीछे आ रहा एक बच्चा दौड़कर पहुंचा और घायल अभिषेक को गोद में उठाकर सड़क किनारे ले गया। शोर सुनकर आसपास के लोग और स्कूली छात्र भी मौके पर जुट गए। घटना के बाद परिजनों की तहरीर पर झूंसी थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। झूंसी इंस्पेक्टर महेश मिश्रा ने बताया- CCTV फुटेज के आधार पर पुलिस चालक की तलाश कर रही है। पुलिस टीम दबिश दे रही है।

सुसाइड नोट में लिखा- 'सॉरी पापा, 50 बार कोशिश की, नौकरी नहीं मिली'

गोल्ड मेडलिस्ट बीटेक छात्र ने की आत्महत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के गोविंदनगर क्षेत्र में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे एक गोल्ड मेडलिस्ट बीटेक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शुक्रवार दोपहर गुजैनी इलाके की है। छात्र ने आत्महत्या से पहले एक भावुक सुसाइड नोट छोड़ा, जिसमें उसने अपने पिता से कई बार माफी मांगते हुए लिखा कि उसने करीब 50 बार सरकारी नौकरी पाने का प्रयास किया, लेकिन हर बार असफल रहा। पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला और जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान आनंद कुमार (23) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बिहार के बक्सर जिले का रहने वाला था और कानपुर के गोविंदनगर थाना क्षेत्र के गुजैनी में अपने पिता के साथ किराये के मकान में रहता था। आनंद के पिता राजकुमार, जो एक निजी कंपनी से सेवानिवृत्त हैं, कुछ दिन पहले अपने

> जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को घर में काम करने वाली महिला पहुंची तो काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बावजूद अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसने परिजनों और गोविंदनगर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर आनंद का शव पंखे से लटका मिला।

बड़े बेटे की शादी तय करने के लिए बिहार गए थे। उन्होंने बताया कि आनंद को भी साथ चलने के लिए कहा गया था, लेकिन उसने अंतिम समय में जाने से मना कर दिया। घर में आनंद अकेला था। इसी दौरान यह दुखद घटना हो गई। सूचना मिलने के बाद पिता और अन्य परिजन कानपुर पहुंचे। आनंद कुमार ने वर्ष 2024 में कानपुर के पीएसआईटी कॉलेज से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया था।

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा था

बीटेक पूरा करने के बाद आनंद सरकारी नौकरी की तैयारी में जुट गया था। परिवार के अनुसार, उसने इस दौरान एक निजी नौकरी भी शुरू की थी, लेकिन उसका सपना सरकारी सेवा में जाना था। उसके बड़े भाई और बहन पहले से सरकारी नौकरी में कार्यरत हैं। ऐसे में आनंद भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था और लगातार प्रयास कर रहा था। पुलिस को कमरे की तलाशी के दौरान पांच लाइन का एक सुसाइड नोट मिला। थाना प्रभारी के अनुसार, नोट में सात-आठ बार 'सॉरी' लिखा गया था। नोट में आनंद ने लिखा कि उसने लगभग 50 बार सरकारी नौकरी पाने की कोशिश की, लेकिन हर बार असफल रहा। उसने अपने पिता से माफी मांगते हुए लिखा कि वह उनकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते उसने पूरे प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया था।

खारिज : अफसरों पर टिप्पणी केस में भी बरी, 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान दिए गए बयान से जुड़ा था मामला

हेट स्पीच मामले में आजम खान को राहत, सेशन कोर्ट ने अपील खारिज की

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को हेट स्पीच से जुड़े एक मामले में बड़ी राहत मिली है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान दिए गए कथित भड़काऊ बयान के मामले में ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली अपील को सेशन कोर्ट ने खारिज कर दिया। इसके साथ ही आजम खान को मिली बरी होने की राहत बरकरार रही। वहीं, चुनाव प्रचार के दौरान चार प्रशासनिक अधिकारियों पर आपत्ति-जनक टिप्पणी करने से जुड़े दूसरे मामले में भी कोर्ट ने उन्हें दोषमुक्त कर दिया है। उस समय रामपुर के

जिलाधिकारी आन्जनेय कुमार सिंह थे, जो वर्तमान में मुरादाबाद मंडल के आयुक्त हैं। उनके निर्देश पर तत्कालीन टांडा एसडीएम घनश्याम त्रिपाठी ने थाना भोट में आजम खान के खिलाफ हेट स्पीच की एफआईआर दर्ज कराई थी। करीब छह वर्ष तक चली सुनवाई के बाद ट्रायल कोर्ट ने 18 दिसंबर 2025 को आजम खान को इस मामले में बरी कर दिया था।

चार अफसरों पर टिप्पणी वाले मामले में भी मिली राहत

एक अन्य मामले में भी आजम खान को अदालत से राहत मिली है। वर्ष 2019 में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने तत्कालीन जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी और सिटी मजिस्ट्रेट पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि ये अधिकारी जिस जिले से आए हैं, वहां गरीबों पर अत्याचार हुए और अब वे रामपुर का माहौल खराब करना चाहते हैं।

इस बयान को लेकर भी उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने इस प्रकरण में भी उन्हें बरी कर दिया।

लोकसभा चुनाव के दौरान दिया था विवादित बयान

यह मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव का है। उस समय आजम खान रामपुर लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी-बहुजन समाज पार्टी गठबंधन के प्रत्याशी थे। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने एक जनसभा में प्रशासनिक अधिकारियों को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। बयान में उन्होंने कहा था कि लोग कलेक्टर-फलेक्टर से मत डरें, ये तनख्वाह पाने वाले कर्मचारी हैं और यह भी कहा था कि गठबंधन बनने के बाद अधिकारियों से जूते साफ कराएंगे। इस बयान के बाद प्रशासन ने इसे आचार संहिता और कानून-व्यवस्था से जोड़ते हुए कार्रवाई की थी।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई में शामिल हुए आजम

आजम खान वर्तमान में अपने बेटे अब्दुल्ला आजम के साथ रामपुर जेल में बंद हैं।

दोनों को फर्जी पैन कार्ड मामले में अदालत सात-सात वर्ष की सजा सुना चुकी है। शनिवार को आजम खान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत की कार्यवाही में शामिल हुए।

इन अधिकारियों पर की थी टिप्पणी

- जिस मामले में आजम खान पर आरोप लगे थे, उसमें तत्कालीनः
- जिलाधिकारी आन्जनेय कुमार सिंह (वर्तमान में मुरादाबाद मंडल के आयुक्त)
- अपर जिलाधिकारी जगदंबा प्रसाद गुप्ता (सेवानिवृत्त)
- उप जिलाधिकारी पी.पी. तिवारी (सेवानिवृत्ति के बाद निधन)
- तत्कालीन सिटी मजिस्ट्रेट सर्वेश कुमार (वर्तमान में मुरादाबाद नगर आयुक्त) का नाम शामिल था।

फैसले के खिलाफ दायर हुई थी अपील

ट्रायल कोर्ट के फैसले के लगभग 15 दिन बाद मामले के शिकायत-कर्ता फैसल लाला ने सेशन कोर्ट में अपील दायर की थी। उनका कहना था कि आजम खान के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य हैं।

साइकिल से घर लौट रहे राजमिस्त्री की मौत

सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर तोड़ा दम

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के रावतपुर थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से 60 वर्षीय राजमिस्त्री की मौत हो गई। साइकिल से घर लौट रहे बुजुर्ग को अशोक वाटिका चौराहे के पास पीछे से आ रही बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक बाइक समेत फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर सीसीटीवी फुटेज और वाहन नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। मस्वानपुर शिव नगर निवासी गोकुल प्रसाद (60) पेशे से राजमिस्त्री थे। परिवार में पत्नी रजनी पाल, बेटा हिमांशु पाल और बेटियां रोशनी व रुपाली हैं। परिजनों के अनुसार वह निर्माण कार्य से शनिवार दोपहर करीब 1:30 बजे साइकिल से घर खाना खाने लौट रहे थे।

थाना प्रभारी बोले- जल्द होगी गिरफ्तारी

रावतपुर थाना प्रभारी कमलेश रॉय ने बताया कि हादसे में शामिल बाइक का नंबर पुलिस को मिल गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

वाहन चालक की पहचान कर जल्द उसे गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अलीगढ़ में घरवालों के हाथ-पैर बांधे, बदमाश बोले- चाबी निकालो वरना गला काट देंगे

बच्ची की गर्दन पर चाकू लगाकर 50 लाख लूटे

लूट

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में शुक्रवार सुबह बिजलीकर्मी के घर दो बदमाशों ने 50 लाख से ज्यादा की लूट की। बदमाशों ने उनकी चार साल की बच्ची की गर्दन पर चाकू लगा दिया। बोले- जल्दी लॉकर की चाबी निकालो वरना इसकी गर्दन काट देंगे। घटना के समय घर पर मां और दो बेटियां ही मौजूद थीं। महिला के चाबी देते ही बदमाशों ने तीनों मां-बेटियों के हाथ-पैर रस्सी और टेप से बांध दिए। इसके बाद सारा

सामान लूट ले गए। जाते समय घर के दरवाजे पर बाहर से ताला लगा दिया। घटना का पता तब चला जब बिजली कर्मी ड्यूटी से वापस आए। बिजली कर्मी को घर के गेट पर ताला लगा मिला। वह ताला तोड़कर अंदर गए। पत्नी और दोनों बेटियों के हाथ-पैर खोले।

कार्यवाहक थाना प्रभारी अनुज कुमार ने बताया बदमाशों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए सीसीटीवी जुटाए जा रहे हैं। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की गई है। बिजली कर्मी और उनके परिवार का बयान भी लिया गया है।

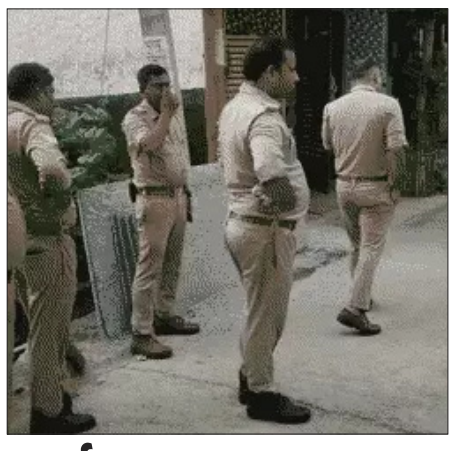

गर्दन पर चाकू रखकर मांगी लॉकर की चाबी

संजीव कुमार ने पुलिस को बताया- मैं सुबह करीब 10:15 बजे ड्यूटी के लिए घर से निकला था। करीब आधे घंटे बाद, लगभग 10:45 बजे दो नकाबपोश बदमाश घर में घुस आए। मेरी पत्नी ने देखा कि दो आदमी कमरे में बैठे हैं। बदमाशों ने चाकू दिखाकर पत्नी से लॉकर की चाबी मांगी। बदमाशों ने कहा कि अगर चाबी नहीं दी तो चार साल की छोटी बेटी की गर्दन काट देंगे। बच्ची की जान के डर से पत्नी ने लॉकर की चाबी दे दी।

- बेटी राधिका ने बताया- बदमाशों ने मां और मेरे हाथ-पैर बांध दिए थे। वे लगातार चाकू दिखाकर डरा रहे थे।
- पीड़ित संजीव कुमार ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि बदमाशों ने उनकी पत्नी पर चाकू तानकर लॉकर की चाबी मांगी।

ड्यूटी पर गए थे बिजली कर्मी

संजीव कुमार थाना बन्नादेवी क्षेत्र के एलमपुर गढ़िया स्थित बिजलीघर में बाबू के पद पर कार्यरत हैं। शुक्रवार सुबह रोज की तरह वो करीब 10:15 बजे ड्यूटी के लिए घर से निकले। उस समय घर में उनकी पत्नी नीलम देवी, 14 वर्षीय बेटी राधिका और चार साल की आशी थीं।

दोपहर करीब 5 बजे जब संजीव वापस घर पहुंचे तो मेन गेट पर बाहर से ताला लगा मिला। उन्हें अंदर से परिवार की आवाज सुनाई दी।

अनहोनी की आशंका होने पर वे ताला तोड़कर घर में घुसे। अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए।

अलमारी टूटी हुई थी, सामान बिखरा पड़ा था। पत्नी और दोनों बेटियां पसीने से तर हालत में दिखीं।

भूजल सप्ताह: डीएम ने दिलाई जल संरक्षण की शपथ, बोले- जल है तो कल है

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। 'भूजल सप्ताह' (16 से 22 जुलाई 2026) के तहत शनिवार को जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जल संरक्षण की सामूहिक शपथ दिलाई। इस दौरान सभी ने जल को सहेजने, उसका विवेकपूर्ण उपयोग करने तथा प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण का संकल्प लिया। जिलाधिकारी ने आमजन से वर्षा जल संचयन अपनाने, जल का सतत एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने तथा तालाब, कुएं जैसे पारंपरिक जल स्रोतों को संरक्षित रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि जल है तो कल है, इसलिए हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह जल की एक-एक बूंद बचाने में योगदान दे। उन्होंने बताया कि भूजल सप्ताह का उद्देश्य लोगों को भूजल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और जल के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करना है। इस दौरान भूजल स्तर में गिरावट रोकने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने और जल संसाधनों के सतत उपयोग के लिए विभिन्न जागरूकता

कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में किसानों एवं आम नागरिकों को जल बचाने के उपायों की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने वर्षा जल संचयन, अनावश्यक जल बर्बादी रोकने, तालाब एवं कुओं जैसे पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई तकनीक अपनाने तथा अधिकाधिक वृक्षारोपण करने का संदेश दिया। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधावल्लभ, उप जिलाधिकारी गोवर्धन सुशील कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे, अधिशासी अभियंता सिंचाई नवीन कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

फास्ट न्यूज

नाले में मिला युवक का शव

कोल। अलीगढ़ के बन्नादेवी थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह करीब 11:30 बजे सीमा फाटक के पास एक नाले से अज्ञात युवक का शव मिला। शव से बदबू आने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

धान की रोपाई के दौरान दो पक्ष भिड़े

मथुरा। मथुरा के मगोर्रा थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव में शुक्रवार रात करीब 10 बजे धान की रोपाई को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि एक युवक ने तमंचे से फायरिंग कर दी। गोली लगने से मां और बेटा घायल हो गए। दोनों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, खेत में धान की पौध लगाने को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और एक नामजद युवक ने तमंचे से फायर कर दिया।

नौकरानी डायमंड-गोल्ड ज्वेलरी चुराकर फरार

आगरा। आगरा के ताजगंज क्षेत्र के विभव नगर में घर में काम करने वाली नौकरानी लाखों के जेवर लेकर फरार हो गई। घरवालों ने उसे तलाशने का प्रयास किया, लेकिन उसने अपना घर बदल दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने शनिवार को एफआईआर दर्ज की है। विभव नगर निवासी संध्या वर्मा पत्नी राजीव वर्मा ने 16 जुलाई को थाने में तहरीर दी। उन्होंने बताया कि उनके घर में अंजू नाम की महिला बीते 6 महीने से झाड़ू-पोंछा और अन्य घरेलू काम कर रही थी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस: गोवर्धन में डीएम-एसएसपी ने सुनीं फरियादें

अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनसमस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान के उद्देश्य से शनिवार को तहसील गोवर्धन के सभागार में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने फरियादियों की शिकायतें सुनकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि भूमि विवाद अथवा अन्य जटिल मामलों में सभी पक्षों की मौजूदगी में मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करते हुए समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों

को निर्देशित किया कि प्रतिदिन सुबह 10 बजे से 12 बजे तक अपने कार्यालयों में उपस्थित रहकर आमजन की समस्याएं सुनें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। डीएम ने स्पष्ट कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य केवल शिकायतें दर्ज करना नहीं, बल्कि उनका प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण समाधान करना है। उन्होंने कहा कि कोई भी फरियादी तहसील दिवस या किसी सरकारी कार्यालय से निराश होकर वापस नहीं जाना चाहिए।

समाधान दिवस के दौरान गोवर्धन तहसील में 45 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 5 का मौके पर निस्तारण किया गया। महावन तहसील में 41 शिकायतें आईं, जिनमें 2, सदर तहसील में 34 शिकायतों में से 5, छाता तहसील में 42 शिकायतों में से 4 तथा मांट तहसील में 47 शिकायतों में से 7 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को शेष शिकायतों का भी नियमानुसार शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नाव में परिवार के सामने तोड़ा दम, धार्मिक यात्रा पर परिवार संग गए थे प्रयागराज

प्रयागराज में संगम स्नान के दौरान मथुरा के युवक की हार्ट अटैक से मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। प्रयागराज में संगम स्नान के दौरान मथुरा के एक 38 वर्षीय युवक की हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। युवक अपने परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर प्रयागराज गया था। घटना 14 जुलाई की बताई जा रही है, लेकिन शुक्रवार देर शाम इसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया। युवक की मौत से परिवार में मातम पसरा है, वहीं क्षेत्र में भी शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार, मथुरा निवासी विष्णु ठाकुर अपने परिजनों के साथ संगम स्नान के लिए प्रयागराज पहुंचे थे। स्नान के बाद परिवार नाव के जरिए वापस लौट रहा था। इसी दौरान नाव में बैठे-बैठे अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह देखते ही देखते नीचे गिर

पड़े। परिजन और नाव में मौजूद अन्य लोग पहले कुछ समझ नहीं पाए। सभी ने तुरंत उन्हें संभालने का प्रयास किया, लेकिन उनकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विष्णु ठाकुर को अचानक हार्ट अटैक आया, जिसके चलते उनकी मौत हो गई। हालांकि, घटना के संबंध में आधिकारिक चिकित्सकीय रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। परिजनों के मुताबिक, सब कुछ सामान्य था और किसी को इस तरह की अनहोनी की आशंका भी नहीं थी।

नाव से संगम जा रहे थे, तभी अचानक बिगड़ी तबीयत

विष्णु ठाकुर भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री रणवीर ठाकुर के चचेरे बड़े भाई थे। वह परिवार के साथ नाव से संगम स्नान के लिए जा रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। बताया जा रहा है कि नाव में ही उन्हें हार्ट अटैक आया और वह अचेत होकर गिर पड़े। घटना के बाद परिजन और आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। असमय निधन की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया।

21 सेकंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

घटना का करीब 21 सेकंड का वीडियो शुक्रवार देर शाम सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में विष्णु ठाकुर अपने परिवार के साथ नाव में बैठे दिखाई देते हैं। कुछ ही सेकंड बाद वह अचानक गिर पड़ते हैं, जिससे नाव में अफरा-तफरी मच जाती है। वीडियो में पीछे से एक महिला की आवाज सुनाई देती है, ₹इसको क्या हो गया?₹ वहीं अन्य लोग नाव रोकने और तुरंत मदद पहुंचाने की बात कहते हुए सुनाई देते हैं। बताया जा रहा है कि घटना से कुछ ही पल पहले तक विष्णु अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहे थे।

गोरखपुर का रहने वाला था, नौकरी की तलाश में दिल्ली जा रहा था

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ जिले में महरावल-कलुआ रेलवे स्टेशन के बीच चलती ट्रेन से गिरने से गोरखपुर के एक 22 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा शुक्रवार सुबह करीब 5:30 बजे हुआ। सूचना मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। युवक पहली बार बेहतर भविष्य और रोजगार की तलाश में दिल्ली जा रहा था, लेकिन मंजिल तक पहुंचने से पहले ही हादसे का शिकार हो गया। पोस्टमार्टम की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद परिवार अंतिम संस्कार के लिए शव को अपने पैतृक गांव गोरखपुर लेकर रवाना हो गया।

गोरखपुर से नई दिल्ली जा रहा था युवक

मृतक की पहचान गोरखपुर जिले के गढ़वा श्रीराम, थाना उरुवा निवासी अभिराज (22) पुत्र मंगल सिंह के रूप में हुई है। आरपीएफ के अनुसार, अभिराज अपने चचेरे भाई सूरज पुत्र रामसवद के साथ ट्रेन संख्या 12555 से गोरखपुर से नई दिल्ली की यात्रा कर रहा था। ट्रेन के अलीगढ़ स्टेशन पार करने के कुछ समय बाद अचानक वह चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। हादसे की जानकारी मिलते ही रेलवे प्रशासन और पुलिस सक्रिय हो गई।

रेलवे हेल्पलाइन पर सूचना मिलते ही शुरू हुआ तलाश अभियान

घटना की सूचना रेलवे हेल्पलाइन के माध्यम से मिलने के बाद आरपीएफ और रेलवे कर्मचारियों ने महरावल-कलुआ रेलखंड पर खोजबीन शुरू की। तलाशी के दौरान रेलवे ट्रैक के पास किलोमीटर संख्या 1335/32 पर युवक का शव बरामद हुआ। इसके बाद गभाना थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आधार कार्ड और रेल टिकट से हुई पहचान

पुलिस को मृतक के पास से उसका आधार कार्ड और गोरखपुर से नई दिल्ली तक का रेल टिकट मिला। इन दस्तावेजों के आधार पर युवक की पहचान अभिराज के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को हादसे की सूचना दी, जिसके बाद परिवार तत्काल अलीगढ़ के लिए रवाना हो गया। शनिवार सुबह करीब 10 बजे अभिराज के माता-पिता और अन्य परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। बेटे का शव देखते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं।

> **परिजनों ने बताया कि अभिराज परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी एक बहन है। आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने और रोजगार की तलाश में वह पहली बार दिल्ली जा रहा था। परिवार को उम्मीद थी कि दिल्ली जाकर वह नौकरी करेगा और घर की जिम्मेदारियों में हाथ बंटाएगा, लेकिन रास्ते में हुए इस हादसे ने पूरे परिवार की खुशियां छीन लीं।**

व्यापारियों की बैठक, पुलिस गश्त की मांग

बाजार में साफ-सफाई, अतिक्रमण हटाने पर भी चर्चा

तमस संकेत, एजेंसी

आगरा। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने शनिवार सुबह अकोला के जगनेर रोड स्थित कस्बा अकोला में व्यापारियों की समस्याओं पर एक बैठक आयोजित की। यह बैठक जिला अध्यक्ष अनिल शर्मा और अकोला इकाई के अध्यक्ष विष्णु अग्रवाल के नेतृत्व में हुई। इस बैठक में थाना कागारोल प्रभारी अंकुर राठी अपनी पुलिस टीम के साथ और ग्राम पंचायत अकोला के प्रधान प्रतिनिधि डॉ. गंभीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक के दौरान व्यापारियों ने कस्बे में नियमित पुलिस गश्त, बाजार की साफ-सफाई, प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, बंदरों के आतंक से निजात दिलाने और अतिक्रमण हटाने जैसी प्रमुख मांगें उठाईं। थाना

प्रभारी अंकुर राठी ने व्यापारियों से दुकानों के बाहर सामान न रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से अतिक्रमण की समस्या का समाधान संभव है। राठी ने नियमित पुलिस गश्त का भी आश्वासन दिया। प्रधान प्रतिनिधि डॉ. गंभीर सिंह ने बाजार में साफ-सफाई व्यवस्था सुधारने, दुकानों पर डस्टबिन रखने और सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने का आग्रह किया। उन्होंने बंदरों की समस्या के समाधान के लिए भी शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

पृष्ठ 01 का शेष...

अवैध कब्जा किया ...

जनता के लिए उन्होंने पहले भी कुछ नहीं किया और अब तक प्रभु श्रीराम ने उन्हें कुछ करने लायक ही नहीं छोड़ा। उन्होंने बुलंदशहर में 574.56 करोड़ रुपए की 20 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करने के साथ 24 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की भाजपा सरकार संभल की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने का काम कर रही है। सरकार ने संभल के 68 तीर्थों के पुनर्जीवन और पुनर्स्थापना का कार्य शुरू कर दिया है। इसके साथ ही 24 कोसी परिक्रमा मार्ग के निर्माण और चौड़ीकरण की परियोजना को भी मंजूरी दी गई है। प्रदेश सरकार किसी भी दलित, गरीब या कमजोर वर्ग की जमीन पर अवैध कब्जा नहीं होने देगी। किसी पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संभल में एक ऐसा इंटीग्रेटेड मुख्यालय भवन बनाया जा रहा है, जहां एक ही छत के नीचे लोगों की सभी समस्याओं का समाधान होगा। संभल में पुलिस लाइन बनाई जा रही है। पीएसी की नई बटालियन बनाई जा रही है। साथ ही संभल को फोरलेन सड़कों से जोड़ने और गंगा एक्सप्रेस-वे को मेरठ, हरिद्वार और प्रयागराज से जोड़ने की दिशा में भी काम चल रहा है। इससे भविष्य में भगवान कल्कि के अवतार से जुड़े स्थलों और हरिहर मंदिर के दर्शन के लिए देश-दुनिया से श्रद्धालु संभल आएंगे।

योगी ने कहा- पहले कोई बेटी सुरक्षित नहीं थी। व्यापारी घर से निकलता था तो भगवान से प्रार्थना करता था कि हे प्रभु, आज वापस लौटकर अपने परिवार का चेहरा देख लूं। लेकिन अब डबल इंजन की सरकार में न कोई कर्फ्यू, न कोई दंगा।

बुलंदशहर में सब चंगा ही चंगा है। हमने जो कहा था, करके दिखाया। कहा था- माफिया को मिट्टी में मिला देंगे और मिला ही दिया। कहा था- बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के लिए दो ही जगह हैं, जेल या जहन्नुम। कोई दूसरी जगह नहीं है। सीएम ने कहा कि विकास तभी दिखता है, जब आप अच्छे जनप्रतिनिधि चुनते हैं। बुलंदशहर का हम पर एहसान है। आपने लोकसभा की दोनों सीटें और विधानसभा की सभी सीटों पर हमें जीत दिलाई। अब बुलंदशहर की आवाज आए या न आए, विकास तो हमें करना ही है। बुलंदशहर की जनता का कर्ज हमें चुकाना है। हमारा वादा है कि आप आशीर्वाद देते रहिए, हम रामराज्य की अवधारणा को धरातल पर उतारकर दिखाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास का नया केंद्र बनने जा रहा है। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रारंभ हो चुका है। यह पश्चिमी उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के औद्योगिक विकास का आधार बनेगा।

14 हजार एकड़ में विकसित हो रहा यह एयरपोर्ट एयरक्राफ्ट मेंटिनेंस, कार्गो शिपमेंट, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवाओं का बड़ा केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश की पहचान खराब सड़कों से होती थी। पहले अगर सड़क पर गड्ढे दिखने शुरू हो जाएं तो लोग समझ जाते थे कि यूपी की सीमा शुरू हो गई।

लेकिन आज गंगा एक्सप्रेसवे ग्लोबल स्टैंडर्ड का एक्सप्रेसवे है। मेरठ से लखनऊ चार घंटे में पहुंच रहे हैं। यही विकास और समृद्धि की स्पीड है। उत्तर प्रदेश आज कई क्षेत्रों में देश का अग्रणी राज्य बन चुका है। देश के 55 प्रतिशत मोबाइल फोन उत्तर प्रदेश में बन रहे हैं। 60 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक अप्लायंस का निर्माण यूपी में हो रहा है। इथेनॉल उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। 2017 से पहले यही उत्तर प्रदेश सबसे पीछे होता था। आज हम बॉटम-3 से निकलकर टॉप-3 राज्यों में पहुंच गए हैं।

गाली देना हर ...

सुप्रीम कोर्ट ने अश्लीलता और आपराधिक धमकी (IPC की धारा 506) के आरोपों से आरोपी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि गाली देने से किसी को परेशानी हुई, यह साबित नहीं हुआ। हालांकि, शिकायतकर्ता को गंभीर चोट पहुंचाने (IPC की धारा 326) के मामले में उसकी सजा बरकरार रखी गई है। आरोपी की उम्र करीब 70 साल होने और स्वास्थ्य स्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने उसकी सजा को घटाकर 'कोर्ट उठने तक की कैद' कर दिया है। साथ ही, उसे 2 महीने के भीतर 50,000 रुपए का जुर्माना भरने का निर्देश दिया गया है।

जब उस याचिकाकर्ता वकील ने अभद्रता शुरू की, तब कोर्ट रूम में कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया। दिल्ली पुलिस वकील को पूछताछ के लिए ले गई है। सुप्रीम कोर्ट में कभी-कभार किसी वकील द्वारा बहस के दौरान ऊंची आवाज, तीखी बहस या अनुचित टिप्पणी के मामले सामने आए हैं, लेकिन CJI पर शारीरिक हमला या कोर्ट रूम के अंदर गंभीर अभद्रता जैसी घटनाएं सार्वजनिक रिकॉर्ड में मिलती ही नहीं हैं। CJI से अभद्रता की अबतक केवल 2 घटनाओं का जिक्र मिलता है 1999 – CJI एएस आनंद पर एडवोकेट नंदलाल बलवानी ने जूता फेंका: तत्कालीन CJI एएस आनंद की बेंच के सामने एक वकील ने नारेबाजी की और कोर्ट रूम में जूता फेंका।

सुप्रीम कोर्ट ने इसे गंभीर आपराधिक अवमानना माना और उन्हें 4 महीने की जेल और जुर्माने की सजा सुनाई। 1999 में सुप्रीम कोर्ट के कोर्ट रूम में फोटोग्राफी या वीडियो रिकॉर्डिंग की अनुमति नहीं थी। उस समय कोर्ट की कार्यवाही का लाइव प्रसारण भी नहीं होता था। इसलिए घटना का विवरण केवल न्यायालय के आदेश और खबरों में दर्ज है।

21वें दिन अनशन से ...

जिसके कारण उनकी मेडिकल टीम को वांगचुक से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि इस कारण वे स्वतंत्र रूप से उनके स्वास्थ्य का आकलन नहीं कर सके।

वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंग्मो ने भी अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि यदि केवल पोटैशियम का स्तर कम था, तो इसकी दवा जंतर-मंतर पर भी दी जा सकती थी। उनके अनुसार, अस्पताल में भर्ती करना जरूरी नहीं था।

सोनम वांगचुक राष्ट्रीय स्तर पर सामने आए पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे हैं।

लंबे समय से भोजन न लेने के कारण उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही थी। वांगचुक को अस्पताल ले जाने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने धरना स्थल पर भूख हड़ताल शुरू कर दी। उन्होंने घोषणा की कि जब तक सोनम वांगचुक दोबारा धरना स्थल पर वापस नहीं आते, तब तक वह भी अनशन जारी रखेंगे।

बंगाल में अभिषेक का ...

इसके बाद 15 जुलाई को संबंधित लोगों को नोटिस जारी कर सुनवाई के लिए बुलाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि दो नोटिसों का कोई जवाब नहीं मिलने के बाद प्रशासन ने आगे की कार्रवाई का फैसला लिया।

नोटिस के मुताबिक, जिस जमीन पर यह ऑफिस बना है, वह कथित तौर पर 'लीप्स एंड बाउंड्स' नाम की कंपनी के नाम पर खरीदी गई थी। प्रशासन ने जमीन के मालिकाना हक और निर्माण से जुड़े दस्तावेजों पर स्पष्टीकरण मांगा था। फिलहाल मामला कानूनी प्रक्रिया के तहत चल रहा है। अमतला डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है, जहां से अभिषेक बनर्जी सांसद हैं। इस कार्रवाई के दौरान वहां मौजूद BJP कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया और नारेबाजी की। स्थानीय BJP विधायक अग्निश्वर नस्कर ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि यह ढांचा अवैध रूप से बनाया गया था। प्रशासन ने जमीन के मालिकाना हक और निर्माण से जुड़े दस्तावेजों पर स्पष्टीकरण मांगा था।

कनाडा के जंगलों की आग का असर, फुटबॉलर्स-फैंस की हेल्थ बड़ी चिंता

वर्ल्डकप फाइनल से पहले न्यूयॉर्क के आसमान पर खतरनाक धुआं

चिंता

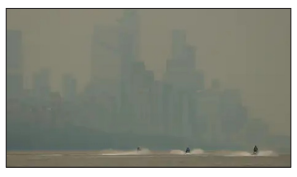

- हेल्थ एक्सपर्ट्स ने कहा- श्वसन तंत्र पर असर डाल सकता है
- 80 हजार दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल से पहले कनाडा में लगी जंगलों की आग का धुआं न्यूयॉर्क के

न्यू जर्सी एरिया तक पहुंच गया है।

रविवार को अर्जेंटीना और स्पेन के बीच होने वाले फाइनल मुकाबले पर इसका असर पड़ेगा या नहीं, इसे लेकर अभी भी अनिश्चितता की स्थिति है। लेकिन, प्लेयर्स और फैंस की हेल्थ फीफा की बड़ी चिंता है। हालांकि, मौसम एजेंसियों ने मैच के दिन वायु गुणवत्ता में सुधार की संभावना जताई है। फाइनल देखने के लिए 80 हजार फैंस आएंगे। डॉक्टर्स का कहना है कि जंगलों की आग का धुआं श्वसन तंत्र और हृदय पर असर डाल सकता है।

ट्रेनिंग सेशन के दौरान स्टार फुटबॉलर लामिल यमाल।

स्पेन ने खतरनाक हवा में ट्रेनिंग की

स्पेन की टीम ने गुरुवार को न्यू जर्सी के ईस्ट हैनोवर में खराब वायु गुणवत्ता के बीच खुले मैदान में अभ्यास किया। इस फैसले पर कई विशेषज्ञों ने सवाल उठाए और कहा कि टीम को इंडोर अभ्यास करना चाहिए था। हालांकि, शुक्रवार को हवा की गुणवत्ता में कुछ सुधार दर्ज किया गया। स्पेन के मिडफील्डर मिकेल मेरिनो ने कहा, 'वर्ल्ड कप फाइनल जैसे बड़े मैच में बाहरी परिस्थितियों को दिमाग से निकालना जरूरी है। हम हर पहलू पर ध्यान दे रहे हैं और आयोजकों व महासंघ की ओर से पूरी सावधानी बरती जा रही है।'

स्पेन की टीम ने खराब वायु गुणवत्ता के बीच खुले मैदान में अभ्यास किया।

डब्ल्यूएचओ ने कहा- एयर क्वालिटी में सुधार होगा

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (WHO) के पूर्वानुमान के अनुसार, न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड की एयर क्वालिटी रविवार तक 'मॉडरेट' में आ सकती है। हालांकि, कुछ मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि शनिवार को होने वाली बारिश के बाद धुएं का नया गुबार क्षेत्र में पहुंच सकता है, जिससे स्थिति फिर बदल सकती है। कोपरनिकस एटमॉस्फियर मॉनिटरिंग सर्विस के वरिष्ठ वैज्ञानिक मार्क पैरिंगटन ने कहा कि आग की तीव्रता बढ़ने पर अधिक धुआं वातावरण में पहुंच सकता है, जिसका असर रविवार तक देखने को मिल सकता है। न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में होने वाले फाइनल को देखने करीब 80 हजार दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। इसी बीच व्हाइट हाउस भी हालात पर नजर बनाए हुए है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम और फीफा अधिकारियों के बीच इस मुद्दे पर चर्चा हुई है।

बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलें खारिज कीं

कहा- लॉर्ड्स ओडीआई के बाद भी खेलते रहेंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर चल रही अटकलों को खारिज कर दिया है। BCCI सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि रविवार को लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच नहीं होगा।

सैकिया ने PTI से कहा- रोहित के भविष्य को लेकर मीडिया में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है कि रोहित रविवार को लॉर्ड्स में अपना आखिरी मैच खेलेंगे। उन्होंने कहा कि रोहित आगे भी भारत के लिए खेलना जारी रखेंगे।

इससे पहले इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि 19 जुलाई को लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा वनडे रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया था कि

BCCI ने रोहित को बता दिया है कि वे 2027 वनडे वर्ल्ड कप की प्लानिंग का हिस्सा नहीं हैं।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, BCCI के चयनकर्ताओं ने कहा था कि रोहित की जगह यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा। संन्यास लेने या चयन के लिए उपलब्ध रहने का फैसला रोहित शर्मा पर छोड़ दिया है। साथ ही, इंग्लैंड दौरे पर उनके प्रदर्शन को भी इस चर्चा की एक वजह बताया गया। पहले दो वनडे में रोहित 11 और 26 रन ही बना सके थे। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि फिटनेस पर काम करने के बावजूद रोहित चयनकर्ताओं के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं ।

पीवी सिंधु पहली बार जापान ओपन के फाइनल में

चीन की यूफेई को 7 साल बाद हराया, यामागुची-वारदानी की विजेता से मैच

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। उनका सामना जापान की अकाने यामागुची और इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वारदानी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा।

सिंधु ने सेमीफाइनल में चीन की वर्ल्ड नंबर-4 चेन यूफेई को हराया। सिंधु सेमीफाइनल में 21-19, 15-10 से आगे थीं, तभी चेन यूफेई हैमस्ट्रिंग में परेशानी के कारण मैच से हट गईं। इसी के साथ सिंधु ने लगातार 5 हार के सिलसिले को तोड़ दिया।

सिंधु 7 साल के बाद चीनी खिलाड़ी को हराने में कामयाब हुई

सिंधु ने यूफेई के खिलाफ लगातार 5 मैच हाने के बाद जीत हासिल की है।

हैं। उन्हें यूफेई पर पिछली जीत 2019 में वर्ल्ड चैंपियनशिप के दौरान मिली थी।

सिंधु करीब 2 साल बाद BWF वर्ल्ड टूर के किसी बड़े टूर्नामेंट का फाइनल खेलेंगी। इससे पहले उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल का खिताब जीता था। वे अब इस सीजन में अपना पहला और बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 लेवल का लंबे समय बाद पहला खिताब जीतने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। सिंधु को क्वार्टर फाइनल में पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोआमी ओकुहारा ने वॉकओवर दे दिया था। इससे पहले वे चीन की हान यू को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने दूसरे दौर के मुकाबले को महज 35 मिनट में 21-16, 21-14 से जीत लिया।

कोहली ने लिखा- विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करेगी, तेंदुलकर ने कहा- हमेशा याद रखेंगे

क्रिकेटर्स ने सर गैरी सोबर्स को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। दिग्गज क्रिकेट सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली सहित कई दिग्गज क्रिकेटर्स ने वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर सर गैरी सोबर्स को श्रद्धांजलि दी है। एक दिन पहले वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को सर गैरी सोबर्स के निधन की जानकारी दी थी। 17 जुलाई को सोबर्स का 89 साल की आयु में निधन हो गया था।

सोबर्स क्रिकेट के सबसे महान ऑलराउंडर्स में से एक थे। उन्होंने 1954 से 1974 तक वेस्टइंडीज के लिए 93 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 57.78 की औसत से 8,032 रन बनाए और 235 विकेट लिए। सोबर्स ने सबसे पहले एक ओवर की सभी 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाने का पहला वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने फर्स्ट क्लास मैच में यह कारनामा किया था।

भारत को 1983 में पहला वर्ल्ड

पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने क्रिकेट के लिए यह सबसे दुखद दिनों में से एक है। सोबर्स वह खिलाड़ी थे, जैसा बनने का सपना हर बच्चा पहली बार बल्ला या गेंद हाथ में लेते समय देखता है। सोबर्स की यादें हमेशा उनके दिल में जिंदा रहेंगी।

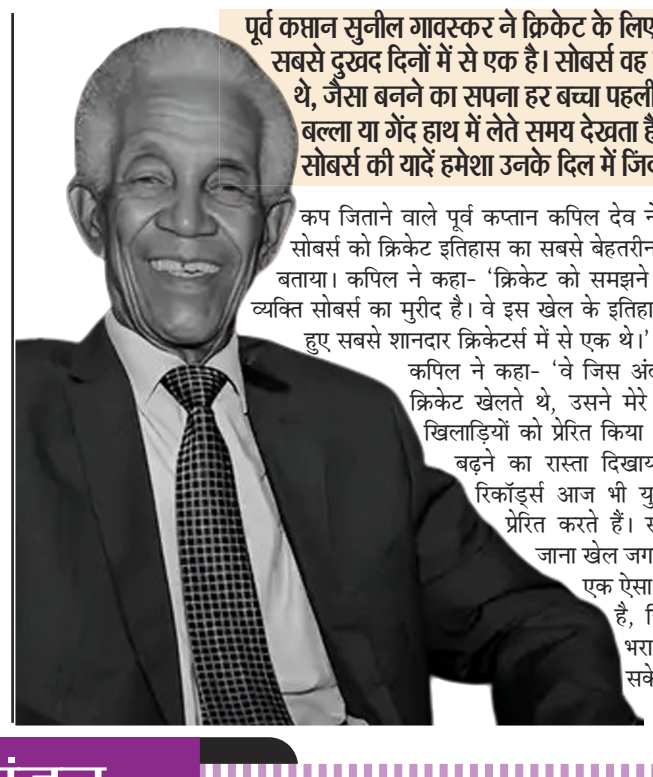

कप जिताने वाले पूर्व कप्तान कपिल देव ने सर गैरी सोबर्स को क्रिकेट इतिहास का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी बताया। कपिल ने कहा- 'क्रिकेट को समझने वाला हर व्यक्ति सोबर्स का मुरीद है। वे इस खेल के इतिहास में पैदा हुए सबसे शानदार क्रिकेटर्स में से एक थे।'

कपिल ने कहा- 'वे जिस अंदाज में वे क्रिकेट खेलते थे, उसने मेरे जैसे कई खिलाड़ियों को प्रेरित किया और आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया। उनके रिकॉर्ड्स आज भी युवाओं को प्रेरित करते हैं। सोबर्स का जाना खेल जगत के लिए एक ऐसा खालीपन है, जिसे कभी भरा नहीं जा सकेगा।' पूर्व

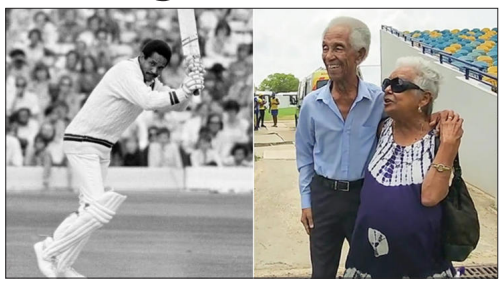

श्रीलंका प्रीमियर लीग में आज के मैचों से पहले मौन रखाए जाएगा

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने सर गैरी सोबर्स के निधन पर एक बयान जारी कर कहा है कि उनके सम्मान में आज कोलंबो के एसएससी ग्राउंड पर खेले जाने वाले लंका प्रीमियर लीग (LPL) 2026 के सभी मैचों की शुरुआत से पहले एक मिनट का मौन रखा जाएगा। इसके अलावा, आज के सभी मैचों में भाग लेने वाली टीमों के खिलाड़ी श्रद्धांजलि स्वरूप काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरेंगे।

भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने सोबर्स के साथ बिताए यादगार पलों को याद करते हुए कहा कि क्रिकेट ने अपने 'वन एंड ओनली' महानायक को खो दिया है।

मनोरंजन

आमिर खान और गौरी स्प्रैट ने 5 जुलाई को घर पर ही निजी समारोह में शादी की। जिसमें कपल के बच्चे, इंडस्ट्री के दोस्त और करीबी फैमिली मेंबर शामिल थे।

गौरी संग तीसरी शादी करने पर आमिर खान को मिली बिश्नोई गैंग से धमकी

'दम घोंट देंगे'

नई दिल्ली। सलमान खान को मिली धमकियों के बाद, अब आमिर खान (Aamir Khan) को भी धमकी मिली है। यह धमकी लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े होने का दावा करने वाली एक सोशल मीडिया पोस्ट के सामने आने के बाद मिली है। वायरल पोस्ट और एक कथित ऑडियो क्लिप में एक्टर को गौरी स्प्रैट के साथ उनकी तीसरी शादी को लेकर निशाना बनाया गया है और उन पर 'लव जिहाद' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है। लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप से जुड़ी बताई जा रही एक सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो गई है। इस पोस्ट में आमिर खान को गौरी स्प्रैट (Gauri Spratt) से उनकी शादी को लेकर निशाना बनाया गया है। इस मैसेज में उन लोगों को भी धमकी दी गई है जिन पर देश में 'लव जिहाद' को बढ़ावा देने का आरोप है; इसे उनकी संस्कृति पर सीधा हमला बताया गया है।

पोस्ट में लिखा गया, 'जय श्री राम, जय सीता राम। मैं आरजू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई (लॉरेंस बिश्नोई गैंग) बोल रहा हूं। जो लोग हमारे देश में हमारी संस्कृति के खिलाफ 'लव जिहाद' को बढ़ावा दे रहे हैं जैसे आमिर खान, हमने उन्हें चेतावनी दी है और काफी समय भी दिया है। यह हमारी आखिरी चेतावनी है। हम बहुत जल्द इसका जवाब देंगे। आगे लिखा, 'यह चीज हमारे सनातन धर्म और हमारे देश के खिलाफ है। हम अपने भाइयों, बहनों और

आमिर खान और गौरी स्प्रैट की शादी पर विवाद

यह कथित धमकी आमिर खान और गौरी स्प्रैट की शादी के कुछ दिनों बाद मिली है। इस कपल ने 5 जुलाई को मुंबई में अपने घर पर एक निजी समारोह में 'स्पेशल मैरिज एक्ट' के तहत शादी की थी। मुंबई पुलिस ने कहा है कि अभी तक आमिर खान या उनकी टीम की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है। पुलिस को इस कथित धमकी के बारे में मीडिया से पता चला और वे अभी इस जानकारी की पुष्टि कर रहे हैं।

देशवासियों से वादा करते हैं कि जो कोई भी इस घिनौने काम को बढ़ावा देगा, हम उसे अपने तरीके से जवाब देंगे। जो लोग स्टारडम के नाम पर इसे बढ़ावा दे रहे हैं, हम उनका दम घोंट देंगे'। हालांकि, पोस्ट और ऑडियो क्लिप की सच्चाई की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की गई है।

विदेश में टैक्सी चलाने को मजबूर हुआ ये सुपरस्टार, कभी साउथ सिनेमा में था एक्टर का

अर्श से फर्श पर आया ऐश्वर्या राय का ये हीरो

नई दिल्ली, एजेंसी

इस दुनिया में अगर कोई चीज हमेशा एक जैसी रहती है, तो वह है 'बदलाव'। इसी बदलाव की वजह से बड़े-बड़े स्टार्स, विरासतें और राजा-रानी बनते और बिगड़ते हैं। वहीं फिल्म इंडस्ट्री की बात करें तो यह बात एकदम सटीक बैठती है।

भारतीय सिनेमा के इतिहास में कई ऐसे सितारे रहे हैं जिन्होंने खूब दौलत और शोहरत देखी। लेकिन जब दिन बिगड़े तो उनकी जिंदगी में अफरा तफरी मच गई। आज ऐसे ही एक स्टार्स के बारे में हम बात करने जा रहे हैं जिसने कभी साउथ फिल्म इंडस्ट्री पर राज किया था, बड़े-बड़े नामों को कड़ी टक्कर दी थी और यहां तक कि उनके पास बॉलीवुड की कुछ सबसे बड़ी फिल्में भी थीं।

साउथ सिनेमा के मशहूर एक्टर मिर्जा अब्बास अली, जो कभी 90 के दशक के सुपरस्टार हुआ करते थे, ने अपने करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। ऐश्वर्या राय और रजनीकांत (Rajinikanth) जैसे बड़े स्टार्स के साथ काम करने के लिए मशहूर अब्बास ने 90 के दशक की शुरुआत में कई सफल फिल्मों में काम किया। हालांकि, बाद में उनका करियर ढलान पर आ गया और उन्हें इतनी गंभीर आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा कि वे किराया तक नहीं दे पा रहे थे।

अब्बास 'कधल देसम', 'वी.आई.पी.' और 'कंडुकोंडैन कंडुकोंडैन' जैसी हिट फिल्मों से तमिल सिनेमा में एक जाना-माना चेहरा बन गए थे। लेकिन, जैसे-जैसे उनका करियर ढलान पर आया, उन्होंने सपोर्टिंग रोल करने शुरू किए और आखिरकार इंडस्ट्री से पूरी तरह गायब हो गए। उन्होंने फिल्में छोड़ दीं और विदेश चले गए, जहां वे न्यूजीलैंड में बस गए और परिवार का गुजारा करने के लिए मैकेनिक और टैक्सी ड्राइवर का काम करने लगे।

2000 के दशक की शुरुआत में अब्बास की कई फिल्में फ्लॉप रहीं, जिससे उनका करियर तेजी से नीचे गिर गया। ऐश्वर्या राय और रजनीकांत जैसे सुपरस्टार्स के साथ काम करने के बावजूद, वे जल्द ही एक्टिंग की दुनिया से गायब हो गए।

ऐश्वर्या और शाह रुख के साथ किया काम

हालांकि, जब उनका करियर अपने चरम पर था और सब कुछ सही चल रहा था, तभी उनके करियर को एक बड़ा झटका लगा जिससे वे कभी उबर नहीं पाए। वे कोई और नहीं बल्कि मिर्जा अब्बास अली (Mirza Abbas Ali) हैं, जिन्होंने कभी ऐश्वर्या राय बच्चन (Aishwarya Rai) और शाहरुख खान (Shah Rukh Khan) के साथ स्क्रीन शेयर की थी, और फिर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से पूरी तरह गायब हो गए। उन्होंने देश भी छोड़ दिया और गुजारा करने के लिए छोटे-मोटे काम किए।

स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी के ऑफिस पहुंचे सलमान खान

बुजुर्गों को चाबियां दीं, हाथ मिलाया

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान शुक्रवार को SRA (स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी) के दफ्तर पहुंचे, जहां उन्होंने कई बुजुर्गों को उनके सपनों के घर की चाबियां सौंपीं। एक्टर टाइट सिक्योरिटी के साथ पहुंचे थे, इसके बावजूद भीड़ ने उन्हें घेर लिया। सलमान खान के पर्सनल सिक्योरिटी हैड शेरा भी उनके साथ मौजूद रहे। सलमान ने वहां मौजूद बुजुर्ग महिलाओं को उनके घरों की चाबियां दीं और मुस्कुराते हुए हाथ मिलाया। ऑफिस में सलमान खान के साथ मौजूद टीम ने वहां पहुंचे लोगों से कहा कि वो चाहें तो सवाल पूछ सकते हैं। एक शख्स उनकी फिल्म से जुड़ा सवाल पूछता, उससे पहले ही सलमान ने कहा, बस एक सवाल छोड़कर बाकी कुछ भी पूछ लेना। उसका जवाब तो मेरे पास भी नहीं है। सलमान खान ने SRA के डेटा कलेक्शन एंड सेग्रिगेशन सपोर्ट सेंटर (आईटी सर्वर रूम) का उद्घाटन भी किया। यह आधुनिक आईटी सर्वर रूम डिजिटल प्रशासन को अधिक मजबूत, सुरक्षित और प्रभावी बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। साथ ही, इससे SRA की ई-गवर्नेंस पहलों को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। सलमान खान की फिल्म मातृभूमि (पहले नाम 'बैटल ऑफ गलवान') पिछले कुछ महीनों से कई विवादों में रही है। इसकी कहानी 2020 की भारत-चीन गलवान घाटी झड़प से प्रेरित बताई गई थी। कई लोगों ने इस पर विरोध जताया क्योंकि फिल्म के टीजर के सीन असल लड़ाई की तरह नहीं थे। विवाद बढ़ने पर मेकर्स ने फिल्म का नाम बदलकर मातृभूमि कर दिया।

यूएस का लगातार सातवीं रात ईरान पर हमला, ईरान बोला-जमीनी हमले हुए तो कुवैत-बहरीन में घुस जाएंगे

होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों में विस्फोट

दावा

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों में विस्फोट हो गया। IRGC ने बताया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की गलत जानकारी के कारण दोनों टैंकर समुद्र में बिछी माइंस से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गए। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने इस दावे को झूठा बताया। वहीं, CENTCOM ने कहा कि उसने लगातार सातवीं रात ईरान के सैन्य ठिकानों, हथियार भंडार और समुद्री सैन्य क्षमताओं पर हमले किए। अल जजीरा के मुताबिक, इन हमलों में सीरिक, बुशेहर, बंदर अब्बास, केश्म द्वीप और यज्द को निशाना बनाया गया।

उधर, ईरानी सांसद अहमद बख्शायेश अर्देस्तानी ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने जमीनी हमला किया, तो ईरान कुवैत और बहरीन में घुस जाएगा और वहां मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को तबाह कर देगा।

अली खामेनेई की मौत के बाद उनके बेटे और उत्तराधिकारी मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता माना जा रहा है, लेकिन वह अब तक सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। उन्होंने न तो देश को संबोधित किया है और न ही खुलकर नेतृत्व करते दिखाई दिए हैं। ऐसे में राष्ट्रपति पजशकियान, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालीबाफ और विदेश मंत्री अराघची ही सरकार के सबसे प्रमुख चेहरे बन गए हैं। ऐसे में कट्टरपंथी इन्हीं नेताओं पर सत्ता हथियाने का आरोप लगा रहे हैं।

> ईरान के शिक्षा मंत्रालय ने देश के दक्षिणी हिस्से में बिगड़ते हालात को देखते हुए रविवार और सोमवार को 11वीं और 12वीं कक्षा की अंतिम परीक्षाएं रद्द कर दी हैं। तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, यह फैसला होर्मोजगान, बुशेहर, खुजेस्तान और सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांतों पर लागू होगा।

अमेरिका के साथ समझौते पर ईरान में घमासान

अमेरिका के साथ हुए युद्धविराम समझौते को लेकर ईरान के भीतर सत्ता संघर्ष तेज होता दिख रहा है। देश के कट्टरपंथी धड़े राष्ट्रपति मसूद पजशकियान और विदेश मंत्री अब्बास अराघची पर देश के सिद्धांतों से समझौता करने का आरोप लगा रहे हैं।

कट्टरपंथियों का दावा है कि अमेरिका के साथ समझौता करने वाले नेता सत्ता पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं और यह एक तरह का तख्तापलट है। पिछले सप्ताह तेहरान में सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान यह नाराजगी खुलकर सामने आई। राष्ट्रपति पजशकियान जब खामेनेई के ताबूत के साथ चल रहे थे, तब कुछ लोगों ने उनके खिलाफ नारे लगाए।

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी प्रतिनिधि अमीर-सईद इरावानी।

ईरान में अमेरिकी हमलों में 7 नागरिकों की मौत का दावा

ईरान के दक्षिणी होर्मोजगान प्रांत में पिछले दो दिनों के अमेरिकी हमलों में 7 लोगों की मौत हुई है। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, प्रांत के सांसद अहमद मोरादी ने कहा कि सभी मृतक नागरिक थे।

रिपोर्ट के अनुसार, एक अमेरिकी हमले में प्रांत के एक पुल को निशाना बनाया गया। इस दौरान वहां से गुजर रही दो कारें भी चपेट में आ गईं, जिससे 6 लोगों की मौत हो गई।

बंदर अब्बास के तप्पे अल्लाह अकबर इलाके में हुए एक अन्य हमले में एक महिला की मौत हुई, जबकि उसका एक साल का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका एक हाथ काटना पड़ा। वहीं, पेट्रोल पंपों तक ईंधन पहुंचाने वाला एक टैंकर चालक भी आग लगने से मारा गया।

फास्ट न्यूज

यूक्रेन के बंदरगाहों पर रूस का बड़ा हमला

कीव। रूस ने शुक्रवार को यूक्रेन के बंदरगाह वाले दो शहरों पर हवाई हमले कर तीन लोगों को मार डाला और संपत्ति का नुकसान किया। रूस ने ये हमले ओडेसा और मीकोलेव पर किए।

काला सागर के तट पर बसे मीकोलेव में विदेशी जहाज पर मौजूद दो यूक्रेनी नागरिक मारे गए जबकि ओडेसा में एक की मौत हुई है। दोनों ही बंदरगाहों के ढांचे और संपत्तियों को भी हमले में नुकसान हुआ है।

ईरान के कुवैत पर मिसाइल हमले के बाद रोकी गईं उड़ानें

कुवैत। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव के कारण कुवैत पर तेहरान ने कई मिसाइलें दागीं। इससे सभी हवाई सेवाओं को तुरंत रोकना पड़ा और खाड़ी देश के पावर ग्रिड और पानी को खारेपन से मुक्त करने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर के अहम हिस्सों को नुकसान पहुंचा। शनिवार तड़के से ही पूरे कुवैत में हवाई हमले के सायरन बार-बार बजते रहे। ईरान से दागी गईं मिसाइलों के कुवैत के हवाई क्षेत्र में घुसने के बाद अधिकारियों ने लोगों को सुरक्षित जगह पर जाने और घरों के अंदर ही रहने की चेतावनी दी।

आग, धुएं और बाढ़ की त्राहि-त्राहि से जूझ रहे अमेरिका के 15 राज्य

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्वी हिस्से में स्थित ग्रेट लेक्स से लेकर राजधानी वाशिंगटन डीसी तक 15 राज्यों के लोग लगातार तीसरे दिन मौसम की भयावह मार झेलने को विवश हैं। लगातार तीसरे दिन जंगलों में भयानक आग लगी हुई है। शुक्रवार को 68 जगहों पर आग के मामले दर्ज किए गए। लाखों अमेरिकी नागरिकों के सामने गंभीर स्वास्थ्य संकट छा गया है और उन्हें घरों में रहने की सलाह दी जा रही है।

देश में जल्द चलेंगे प्लास्टिक-नोट आरबीआई ने जारी किया टेंडर

10 और 20 के नोटों से शुरू होगा ट्रायल

नई दिल्ली, एजेंसी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया जल्द ही देश में प्लास्टिक यानी पॉलीमर से बने नोटों का पहला पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह देश में नए जनरेशन की करेंसी लाने की RBI के प्लान का अगला कदम है।

भारतीय बाजार में पॉलीमर नोटों के आने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि मौजूदा कागजी नोट तुरंत चलन से बाहर हो जाएंगे। RBI ने साफ किया है कि नई करेंसी पुराने पेपर नोटों की जगह नहीं लेगी।

इस पूरे प्रोजेक्ट की तैयारियां तब तेज हो गईं, जब आरबीआई की नोट-प्रिंटिंग यूनिट ने ग्लोबल लेवल पर 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट' (EOI) जारी किया। यह टेंडर विशेष प्रकार की 'पॉलीमर सबस्ट्रेट शीट' की मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई के लिए मंगाया गया है, जिसका इस्तेमाल इन नोटों को छापने के लिए किया जाता है।

डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, दुनिया भर के मैन्युफैक्चरर को एडवांस सेफ्टी फीचर्स से लैस पॉलीमर सबस्ट्रेट की सप्लाई के लिए इनवाइट किया गया है। इस टेंडर के तहत बोलियां जमा करने की आखिरी तारीख 18 अगस्त तय की गई है। पॉलीमर से बने बैंकनोट ट्रेडिशनल कागजी नोटों की तुलना में बहुत ज्यादा टिकाऊ होते हैं। यह नोट पानी, गंदगी और धूल में भी सुरक्षित रहते हैं। इसके अलावा यह नोट आसानी से फटते भी नहीं हैं।

10 लाख लोगों के लिए अलर्ट जारी, पड़ोसी देशों में भी महसूस हुए झटके

मेक्सिको में 7.4 तीव्रता का भूकंप, सुनामी का खतरा बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

मेक्सिको के दक्षिणी राज्य चियापास के तट पर शुक्रवार को 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। इसके बाद करीब 10 लाख लोगों के लिए सुनामी का अलर्ट जारी किया गया है।

अमेरिकी एजेंसी USGS के मुताबिक, भूकंप का केंद्र मेक्सिको के प्यूर्टो मडेरो शहर के पास था। यह 10 किलोमीटर की गहराई पर आया, जिससे आसपास के इलाकों में तेज झटकों की आशंका बढ़ गई है। US सुनामी वार्निंग सिस्टम ने इस क्षेत्र के लिए सुनामी का अलर्ट जारी किया है। 7.4 तीव्रता के भूकंप को 'मेजर' कैटेगरी में रखा जाता है, जो बड़े पैमाने पर तबाही मचा सकते हैं। भूकंप के झटके मेक्सिको के पड़ोसी देश ग्वाटेमाला और अल साल्वाडोर में भी महसूस किए गए। फिलहाल किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं है। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि भूकंप के केंद्र से करीब 300 किलोमीटर के दायरे में खतरनाक सुनामी लहरें उठ सकती हैं।

मेक्सिको के प्यूर्टो मडेरो शहर में भूकंप के बाद एक इमारत हिलने लगी। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

सुनामी अलर्ट मुख्य रूप से 3 इलाकों के लिए जारी किया गया है

चियापास का दक्षिणी प्रशांत तट

ओआक्साका के तटीय इलाके

ग्वाटेमाला से लगे प्रशांत तटीय क्षेत्र

प्रशासन ने लोगों से समुद्र तट और निचले तटीय इलाकों से दूर रहने की अपील की है। मेक्सिको-ग्वाटेमाला सीमा पर स्थित सुचियाते में समुद्र के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है।

भूकंप के तुरंत बाद अधिकारियों ने कहा कि समुद्र में उठने वाली ऊंची और खतरनाक लहरें तटीय इलाकों में बाढ़ ला सकती हैं। लोगों से संभावित बाढ़, तेज समुद्री धाराओं और ऊंची लहरों को देखते हुए सतर्क रहने की अपील की गई है।

हालांकि, अमेरिका के नेशनल सुनामी वार्निंग सेंटर ने साफ किया है कि अमेरिका के पश्चिमी तट, ब्रिटिश कोलंबिया और अलास्का के लिए सुनामी का कोई खतरा नहीं है।

पिछले 30 दिनों में 22 भूकंप दर्ज

भूकंप 'पैसिफिक रिंग ऑफ फायर' में आया, जो प्रशांत महासागर के चारों ओर फैला करीब 40 हजार किलोमीटर लंबा घोड़े की नाल के आकार का इलाका है।

यह दुनिया का सबसे एक्टिव भूकंपीय क्षेत्र माना जाता है। यहां दुनिया के करीब 75% सक्रिय और निष्क्रिय ज्वालामुखी हैं और लगभग 90% भूकंप इसी क्षेत्र में आते हैं। पिछले 30 दिनों में इस इलाके में 22 भूकंप दर्ज किए गए हैं। इनमें शुक्रवार का 7.4 तीव्रता वाला भूकंप सबसे शक्तिशाली बताया जा रहा है।

450 किमी ऊपर कक्षा में पहुंच ■ पीएम मोदी ने फोन पर बधाई दी

भारत का प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च कामयाब

नई दिल्ली, एजेंसी

हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया। यह टेस्ट पहले ही प्रयास में कामयाब रहा। विक्रम-1 को स्काईरूट ने ही तैयार किया और लॉन्चिंग भी खुद ही की। सिर्फ लॉन्चपैड इसरो का था।

इसे आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा में इसरो के सतीश धवन स्पेस सेंटर से दोपहर 12:05 बजे लॉन्च किया गया। पहले यह लॉन्चिंग 11:30 बजे होनी थी, लेकिन 5 मिनट पहले काउंटडाउन रोक दिया गया। कुछ देर बाद इसे दोबारा शुरू किया गया। पीएम मोदी ने स्काईरूट के फाउंडर पवन कुमार चंदना को फोन करके बधाई दी है। विक्रम-1 पूरी तरह से हल्के और मजबूत कार्बन-कंपोजिट स्ट्रक्चर से बना पहला ऑर्बिटल रॉकेट है। कार्बन फाइबर स्टील की तुलना में पांच गुना हल्का होता है। इससे रॉकेट का वजन कम हो जाता है, जिससे इसकी ईंधन दक्षता बढ़ जाती है। रॉकेट को ऊर्जा देने के लिए इसमें तीन सॉलिड-फ्यूल स्टेज और एक लिक्विड ऑर्बिटल एडजस्टमेंट मॉड्यूल दिया गया है। इसे आप रॉकेट के नीचे लगे तीन बेहद ताकतवर 'बूस्टर्स' की तरह समझ सकते हैं, जिनमें ठोस ईंधन जैसे बारूद की तरह का ठोस केमिकल भरा होता है. रॉकेट को जमीन से उठाकर आसमान की तरफ धकेलने के लिए शुरुआत में बहुत भारी ताकत की जरूरत होती है। ये तीनों सॉलिड स्टेज एक-एक करके जलते हैं और रॉकेट को शुरुआती धक्का देकर अंतरिक्ष की सीमा लो अर्थ ऑर्बिट के पास पहुंचा देते हैं।

कंपनी ने 2022 में विक्रम-एस सबऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च किया था, जो 89.5 केएम की ऊंचाई तक गया था। अब विक्रम-1 450 केएम की पृथ्वी की सर्कुलर निचली कक्षा तक पहुंच गया है। इसे भारत के स्पेस सेक्टर के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

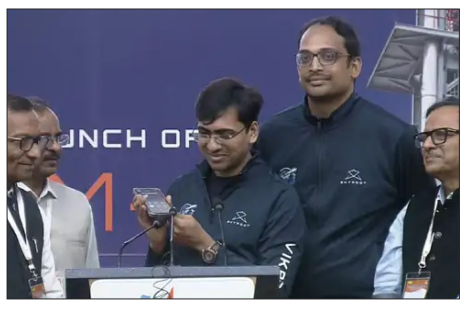

लॉन्च की कामयाबी के बाद स्काईरूट के फाउंडर से पीएम मोदी ने फोन पर बात की और उन्हें बधाई दी।

18 कैरेट सोने से बना आर्ट पीस भी स्पेस में भेजा गया

कॉस्मोस डायमंड्स की कलाकृति स्कॉस्मिक ब्लूमर और एक खास माइक्रो-आर्ट पीस भी रॉकेट में भेजा गया। यह माइक्रो-आर्ट पीस 18 कैरेट सोने से बना छोटा सा रॉकेट है। इस पर वैज्ञानिक सर सी वी रमन, डॉ. विक्रम साराभाई और डॉ. कलाम की सूक्ष्म मूर्तियां उकेरी गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा गया एक पोस्टकार्ड भी रॉकेट में भेजा गया, जिस पर 'वंदे मातरम' शब्द अंकित हैं।

पीओके में हिंसा और विरोध प्रदर्शन पर यूएस की पाक को लताड़

कहा- सार्वजनिक सभाओं पर प्रतिबंध ठीक नहीं

जिनेवा, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार एजेंसी ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में चल रही अशांति पर चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने अधिकारियों से कहा है कि वे इलाके में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों की मौत की निष्पक्ष जांच करें।

शुक्रवार को जिनेवा में जारी एक बयान में, मानवाधिकारों के लिए संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने शांति बनाए रखने की अपील की। वहां 27 जुलाई को होने वाले चुनावों से पहले तनाव बढ़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, जून से अब तक दर्जनों लोग मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर प्रदर्शनकारी और कुछ सुरक्षाकर्मी शामिल हैं।

तुर्क ने अशांति से जुड़ी सभी मौतों की तुरंत, पूरी और स्वतंत्र जांच की मांग की। उन्होंने 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' (JAAC) पर प्रतिबंध लगाने पर भी चिंता जताई है। जॉइंट आवामी एक्शन कमेटी (JAAC) पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में सक्रिय नागरिक संस्थाओं, व्यापारियों, वकीलों और छात्रों का एक प्रमुख सामाजिक-राजनीतिक गठबंधन है। यही संगठन इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहा है।

JAAC पर सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने के आरोप में पाकिस्तान के आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बाद संगठन के कई नेताओं को गिरफ्तार किया गया है।

मांग : विधानसभा में प्रस्ताव पास ■ संसद से संविधान संशोधन की मांग

गिलगित-बाल्टिस्तान को पाकिस्तान का 5वां राज्य बनाने की तैयारी

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने अपने अवैध कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान को देश का पांचवां राज्य (प्रांत) बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गुरुवार को गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से संविधान में संशोधन करके इस क्षेत्र को राज्य का दर्जा देने की मांग की।

प्रस्ताव में कहा गया है कि गिलगित-बाल्टिस्तान के लोगों को पाकिस्तान के दूसरे राज्यों के नागरिकों की तरह समान संवैधानिक, राजनीतिक और लोकतांत्रिक अधिकार दिए जाएं। इसके साथ ही इस क्षेत्र को नेशनल असेंबली, सीनेट और अन्य संघीय संवैधानिक संस्थाओं में प्रतिनिधित्व देने की भी मांग की गई है। प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री, स्पीकर, डिप्टी स्पीकर, नेता विपक्ष और दो निर्दलीय विधायकों के हस्ताक्षर हैं। अब इसे आगे की मंजूरी के लिए पाकिस्तान की संसद भेजा जाएगा। फिलहाल पाकिस्तान में चार ही राज्य हैं- पंजाब, सिंध, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा। गिलगित-बाल्टिस्तान अब तक सीमित स्वशासन के तहत संचालित होता रहा है और उसे पाकिस्तान के अन्य राज्यों जैसा संवैधानिक दर्जा प्राप्त नहीं है।

इसी वजह से विशेषज्ञों का मानना है कि विधानसभा से प्रस्ताव पास होने के बावजूद गिलगित-बाल्टिस्तान को पाकिस्तान का स्थायी पांचवां राज्य बनाना आसान नहीं होगा। ऐसा करने पर पाकिस्तान के उस पुराने रुख पर सवाल उठ सकते हैं, जिसमें वह कश्मीर को विवादित क्षेत्र बताता रहा है। यही कारण है कि प्रस्ताव में केवल अस्थायी (प्रोविजनल) राज्य बनाने की बात कही गई है।

पाकिस्तान ने 2009 में गिलगिट-बाल्टिस्तान (एम्पॉवरमेंट एंड सेल्फ-गवर्नेंस) ऑर्डर 2009 के जरिए नॉर्दर्न एरियाज लेजिस्लेटिव काउंसिल (NALC) को लेजिस्लेटिव असेंबली से बदला।

गिलगित-बाल्टिस्तान को 2009 में पहली बार मिली विधानसभा

1947 से लेकर कई दशकों तक गिलगित-बाल्टिस्तान का प्रशासन सीधे पाकिस्तान की केंद्र सरकार के हाथ में रहा। यहां न तो प्रांत का दर्जा था और न ही लोगों को अपने प्रतिनिधियों के जरिए शासन चलाने का अधिकार मिला था।

2009 में पाकिस्तान ने गिलगित-बाल्टिस्तान एम्पावरमेंट एंड सेल्फ-गवर्नेंस ऑर्डर लागू किया। इसके तहत पहली बार यहां विधानसभा चुनाव कराए गए और स्थानीय सरकार बनाई गई। हालांकि विधानसभा के अधिकार सीमित थे और बड़े फैसले केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री के हाथ में ही रहे।

सौर फार्म की बाड़ प्रोंगहॉर्न के प्रवास में बन रही है बड़ी बाधा

वाशिंगटन, एजेंसी

वैज्ञानिकों ने साल 2024 में अमेरिका के सबसे तेज जमीनी जानवर प्रोंगहॉर्न की 75 मादाओं को जीपीएस कॉलर पहनाए थे। तब से ये जानवर लगातार अपनी लोकेशन का डेटा भेज रहे हैं। न्यू मेक्सिको में सैन जुआन सोलर एंड स्टोरेज प्रोजेक्ट के पास संरक्षण समूह वाइल्डलैंड्स नेटवर्क के नेतृत्व में चल रही यह परियोजना शोधकर्ताओं को यह समझने में मदद कर रही है कि बड़े सौर फार्म वन्यजीवों की आवाजाही को कैसे प्रभावित करते हैं। शुरुआती निष्कर्षों से पता चलता है कि हालांकि सौर ऊर्जा परियोजनाएं जीवाश्म ईंधन को बदलने में मदद करती हैं, लेकिन इन केंद्रों के चारों ओर लगी बाड़ प्रोंगहॉर्न द्वारा हजारों वर्षों से उपयोग किए जाने वाले प्राचीन प्रवास मार्गों को बाधित कर सकती हैं। शोधकर्ताओं ने 2024 में न्यू मेक्सिको के फार्मिंगटन के पास 75 मादा प्रोंगहॉर्न पर जीपीएस कॉलर लगाकर इस परियोजना की शुरुआत की थी। ये कॉलर हर घंटे जानवरों की लोकेशन रिकॉर्ड करते हैं, जिससे सौर ऊर्जा परियोजना के पास रहने वाले बड़े स्तनधारियों पर अब तक का सबसे विस्तृत डेटासेट तैयार हो रहा है।

2025 की शुरुआत तक, इन कॉलर ने 7,00,000 से अधिक लोकेशन पॉइंट रिकॉर्ड किए। इससे वैज्ञानिकों को 1,100 एकड़ में फैले सैन जुआन सोलर एंड स्टोरेज प्रोजेक्ट के निर्माण से पहले और बाद में जानवरों की आवाजाही की तुलना करने का मौका मिला। यह केंद्र एक बंद हो चुके कोयला आधारित बिजली संयंत्र के पास बनाया गया है ।

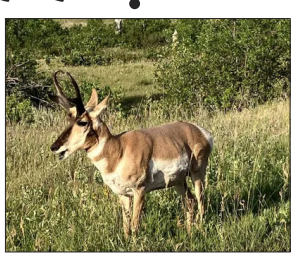

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676